रांची, गुरुवार, 30 जुलाई 2026
संवत 2083, श्रावण कृष्ण प्रतिपद मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 316 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

# मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ धरती की चेतावनी सुनिए

शाहिद कपूर की जिस फिल्म के लिए कृति ने छोड़ी अक्षय की पिक्चर 6

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
झारखण्ड 25 अनंत संभावनाओं की ओर

ॐ नमः शिवाय

राजकीय श्रावणी मेला

श्रावण मास के पावन अवसर पर
'बाबा बैद्यनाथ और बाबा बासुकीनाथ' की
भूमि झारखण्ड में पधारने वाले समस्त

कांवरियों एवं श्रद्धालुओं का
हार्दिक अभिनंदन एवं जोहार

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड

386229 (IPRD 26-27

## जल्द होगा लंबित मानदेय का भुगतान

**रांचीः** रांची नगर निगम के मेयर, डिप्टी मेयर और पार्षदों को चार माह से लंबित मानदेय के भुगतान का रास्ता साफ हो गया है। नगर विकास विभाग ने पुराने मानदेय की दर से भुगतान की मंजूरी दे दी है। विभाग के निर्णय के बाद अप्रैल से जुलाई तक का बकाया मानदेय एक सप्ताह के भीतर एकमुश्त उनके बैंक खातों में भेजा जायेगा। लंबे समय से भुगतान का इंतजार कर रहे जनप्रतिनिधियों को इससे राहत मिलेगी।

हालांकि, मानदेय बढ़ाने का प्रस्ताव अभी भी विभागीय स्तर पर लंबित है। फिलहाल मेयर, डिप्टी मेयर और पार्षदों को पुरानी दर के अनुसार ही भुगतान किया जायेगा।

ज्ञात हो कि मेयर, डिप्टी मेयर और 53 वार्डों के पार्षदों ने 19 मार्च को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी। इसके बाद से हर बोर्ड की बैठकों में जनप्रतिनिधियों द्वारा मानदेय का भुगतान जल्द से जल्द कराने की मांग की जा रही थी। इसे देखते हुए नगर निगम ने नगर विकास विभाग से जनप्रतिनिधियों को जल्द से जल्द राशि भुगतान का आग्रह किया था।

## सेल सुरक्षा संगठन ने किया सुरक्षा मंथन का आयोजन

**रांचीः** सेल सुरक्षा संगठन (एसएसओ), रांची ने 28-29 जुलाई को एमटीआई, रांची में सेल के सभी प्लांट और यूनिट के सेफ्टी और फायर सर्विस प्रमुखों की एक बैठक 'सुरक्षा मंथन' आयोजित किया। उद्घाटन सत्र में, सेल के डायरेक्टर (पर्सनेल) केके सिंह ने सभी को मार्गदर्शन दिया। श्री सिंह ने कहा कि सेल में सुरक्षा सबसे जरूरी है और यह कंपनी के काम करने के तरीके का एक अहम हिस्सा है। सेफ्टी प्रमुखों की यह ज़िम्मेदारी है कि वे लगातार अपनी जानकारी बढ़ाएं और सुरक्षा का माहौल बनाने के लिए नई टेक्नोलॉजी और टूल्स का इस्तेमाल करें।

इस बैठक की अध्यक्षता के रामा कृष्णा, कार्यपालक निदेशक (एस एसओ) ने की। सेल के अलग-अलग प्लांट और यूनिट में लागू सुरक्षा उपायों की समीक्षा करते हुए, उन्होंने हर प्लांट/यूनिट में ज्यादा जोखिम वाले कामों के लिए सही वर्क प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर दुर्घटना का गंभीरता से विश्लेषण किया जाना चाहिए ताकि उसका स्थायी समाधान निकाला जा सके। संजय धर, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (एचआरएल एंड डी) ने भी प्रतिभागियों से बातचीत की और सुरक्षा से जुड़ी ट्रेनिंग को बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिए। सभी प्लांट और यूनिट के सुरक्षा प्रमुखों ने अपने-अपने प्लांट या यूनिट में सुरक्षित काम की संस्कृति बनाने के लिए उठाए गए नए कदमों और उपायों की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने कार्यपालक निदेशक (एसएसओ) के साथ अपने क्षेत्र की चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस कार्यक्रम में पूरी रड टीम शामिल हुई। बैठक की शुरूआत जनरल मैनेजर प्रभारी (एसएसओ) सुरेश कुमार के स्वागत भाषण से हुई और समापन राउरकेला स्टील प्लांट के चीफ जनरल मैनेजर (सेफ्टी एंड फायर सर्विसेज) हीरालाल महापात्रा के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। पूरे कार्यक्रम का संचालन सीनियर मैनेजर (एसएसओ) मुकेश कुमार ने किया।

## आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाएं सावन और चेहल्लुमः एसएसपी

**रांचीः** सावन और चेहल्लुम पर्व को लेकर रांची में शांति, सौहार्द और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सर्वधर्म सद्भावना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। सर्वधर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो इसलाम एवं समाजसेवी सागर कुमार के संयुक्त नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल के साथ एसएसपी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आगामी त्योहारों के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। इनमें निर्बाध बिजली एवं पेयजल आपूर्ति, शहर के सभी क्षेत्रों में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था, नशेड़ियों पर सख्ती से अंकुश, असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों पर पैनी नजर रखने तथा संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती प्रमुख रही।

बैठक में उपस्थित लोगों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि रांची आपसी सौहार्द, सामाजिक समरसता और भाईचारे की मिसाल रहा है। उन्होंने कहा कि यहां सभी धर्मों और समुदायों के लोग वर्षों से मिल-जुलकर अपने-अपने पर्व एवं सामाजिक कार्यक्रम मनाते आ रहे हैं और इसी परंपरा को आगे भी कायम रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

एसएसपी ने कहा कि सावन, चेहल्लुम सहित सभी पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बैठक में उठाए गए सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी और प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि सभी त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें।

बैठक में सर्वधर्म सद्भावना समिति के अध्यक्ष मो. इसलाम, केंद्रीय शांति समिति के सदस्य एवं समाजसेवी सागर कुमार, अंजुमन जाफरिया के फरहाद अब्बास, नेहाल भाई, नवाब भाई, परवेज आलम, प्रदीप राय बाबू, संजय सिन्हा गोपू, जितेंद्र गुप्ता, वार्ड-23 के पार्षद प्रतिनिधि खालिद उमर, मो. इश्तियाक, अफरोज आलम, आजाद अली एडवोकेट, जसीम हसन, फिरोज अंसारी, अली रजा राजू, मो. यूसुफ, मो. सरफराज सुड्डू, जमील अख्तर सोनू, मो. महबूब, जावेद भाई, मो. नौशाद, हबीबुल्लाह, मो. अजीम, ओम सिंह, बलराम भाई सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

# सावन आज से, शिवमय हुआ वातावरण,भोलेनाथ की भक्ति में डूबी राजधानी रांची

### ◂आस्था, भक्ति और अनुशासन के 30 दिन ◂ पहाड़ी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना

**संवाददाता**

**रांचीः** गुरुवार यानी आज से सावन माह की शुरूआत हो गयी है। आज रात 8.35 बजे तक प्रतिपदा तिथि रहेगी, इसके बाद द्वितीया तिथि लग जायेगी। श्रावणी मेला का समापन 28 अगस्त को होगा। इस वर्ष सावन में चार सोमवारी पड़ रही है।

इसे लेकर शहर के सभी शिवालयों में विशेष तैयारी की गयी है। सावन के पहले ही दिन राजधानी रांची पूरी तरह शिवमय नजर आई। शहर के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर, सुरेश्वर महादेव मंदिर समेत विभिन्न शिवालयों में सुबह तड़के से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालु हाथों में गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा और पूजा सामग्री लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते नजर आए।

सुबह से ही श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने पहुंच रहे हैं। सावन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। लोगों ने अपने-अपने स्तर पर तैयारियां की है। बाबा के जलाभिषेक के लिए पूजा दुकानों से पूजन सामग्री की खरीदारी की गयी है। बाजारों में पूजासामग्री के अलावा फल और फूल की दुकानों पर भी दिनभर भीड़ रही।

पहाड़ी मंदिर में सुबह 4:30 बजे हुआ जलाभिषेकः पहाड़ी मंदिर में सुबह साढ़े चार बजे से दिन के एक बजे तक जलाभिषेक हुआ। इसके बाद एक बजे से दो बजे तक मंदिर के पट बंद रहें। पुनः दोपहर दो बजे से रात नौ बजे तक श्रद्धालु दर्शन और पूजा कर सकेंगे। शाम साढ़े सात बजे संध्या आरती और विशेष श्रृंगार होगा। इसके बाद श्रद्धालु श्रृंगार दर्शन करेंगे। रात नौ बजे मंदिर के पट बंद हो जायेंगे, जो अगले दिन सुबह साढ़े चार बजे फिर खुलेंगे।

**पहाड़ी मंदिर के पास सफाई और लाइटिंग होगी बेहतरः** मेयर पहाड़ी मंदिर में आनेवाले हजारों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसे लेकर मेयर रोशनी खलखो व डिप्टी मेयर नीरज कुमार ने पहाड़ी मंदिर व उसके आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान मेयर व डिप्टी मेयर ने निर्देश दिया कि पहाड़ी मंदिर व उसके आसपास के क्षेत्रों में तीन शिफ्टों में सफाई की जाये। पूरे रास्ते में लाइटिंग की जाये। ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। श्रद्धालुओं के लिए सड़कों पर जगह -जगह पानी के टैंकर व चलंत शौचालय लगाने का भी निर्देश दिया गया।

अरघा सिस्टम की व्यवस्थाः रांची के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर में इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। मंदिर की सीढ़ियों की मरम्मत कराई गई है और आने-जाने के लिए नए पेवर ब्लॉक मार्ग बनाए गए हैं। श्रद्धालुओं के चढ़ने और उतरने के लिए अलग-अलग सीढ़ियों की व्यवस्था की गई है, जिससे भीड़ का दबाव कम हो और दर्शन सुचारु रूप से हो सके। महिलाओं और पुरुषों के लिए भी अलग प्रवेश एवं निकास मार्ग निर्धारित किए गए हैं। जिसका लाभ श्रद्धालुओं को मिल रहा है।

मंदिर समिति ने जलाभिषेक के लिए इस बार अरघा सिस्टम की व्यवस्था की है। हालांकि पहली सोमवारी से अरघा सिस्टम से जलार्पण होगा। इसके माध्यम से श्रद्धालु बिना अधिक भीड़ के आसानी से बाबा भोलेनाथ पर जल अर्पित करेंगे। पहाड़ी मंदिर और सुरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में समिति की ओर से श्रद्धालुओं को दूध, जल और बेलपत्र निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

**सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजामः** सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में 60 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। बड़ी संख्या में पुलिस बल, दंडाधिकारी और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई है, ताकि दर्शन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। सुबह 3:30 बजे सरकारी पूजा के बाद मंदिर के पट सुबह 4:00 बजे आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। श्रद्धालु सुबह 4:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक तथा दोपहर 2:00 बजे से रात 9:00 बजे तक दर्शन और जलाभिषेक कर सकेंगे।

**क्यों इस माह में बदला जाता है खान-पान? :** सावन में खान-पान बदलने के पीछे धार्मिक आस्था के साथ वैज्ञानिक कारण भी माने जाते हैं। वर्षा ऋतु में पाचन तंत्र अपेक्षाकृत कमजोर हो जाता है। इसलिए हल्का, सात्विक और सुपाच्य भोजन करने की सलाह दी जाती है। इस दौरान हरी सब्जियां, फल, दूध, दही और अनाज का संतुलित सेवन शरीर को स्वस्थ रखता है। कई लोग प्याज, लहसुन और मांसाहार से परहेज कर सात्विक भोजन अपनाते हैं, जिससे पाचन बेहतर रहता है। इसलिए सावन का बदला हुआ आहार आध्यात्मिक के साथ सेहत के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

**हरे रंग का सावन में क्यों है महत्व :** सावन का महीना प्रकृति के पुनर्जन्म का प्रतीक है। चारों तरफ हरियाली छा जाती है। हरा रंग बुध ग्रह (बुद्धि और समृद्धि) और मां पार्वती से भी जोड़ा जाता है। महिलाओं द्वारा हरी चूड़ियां पहनना और मेंहदी लगाना सुहाग, उमंग और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का तरीका है।

### हजारों छात्रों के प्रदर्शन में दिखा रांची पुलिस का मानवीय चेहरा

## न लाठी चली, न आंसू गैस... संवाद और सम्मान से संभाली स्थिति, सोशल मीडिया पर हो रही सराहना

**गुलाम शाहिद**

**रांचीः** जेपीएससी-जेएसएससी से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर राजधानी रांची में हजारों छात्रों का प्रदर्शन हुआ। बड़ी संख्या में छात्रों के जुटने से स्थिति संवेदनशील बनी हुई थी, लेकिन रांची पुलिस ने संयम, धैर्य और मानवीय दृष्टिकोण का परिचय देते हुए पूरे आंदोलन को शांतिपूर्ण बनाए रखा। पुलिस के इस व्यवहार की सोशल मीडिया से लेकर आम लोगों के बीच जमकर चर्चा हो रही है। आंदोलन के दौरान पुलिस ने कहीं भी बल प्रयोग का सहारा नहीं लिया। न लाठीचार्ज किया गया और न ही आंसू गैस के गोले छोड़े गए। इसके बजाय पुलिस अधिकारी लगातार छात्रों के साथ संवाद करते रहे और उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अवसर दिया। कई स्थानों पर पुलिसकर्मी छात्रों की सहायता करते और उन्हें सम्मानपूर्वक संबोधित करते भी नजर आए।

बताया जाता है कि आंदोलन शुरू होने से पहले ही कोतवाली थाना प्रभारी ने ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिस अधिकारियों और जवानों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी परिस्थिति में छात्रों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन किसी भी छात्र के आत्मसम्मान को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। इसी निर्देश का असर पूरे आंदोलन के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस की संयमित कार्यशैली के कारण किसी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई। छात्रों ने भी शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखीं और पुलिस ने धैर्यपूर्वक पूरे घटनाक्रम की निगरानी की। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला।

### 'अब चमकेगा झारखंड, नहीं कटेगी बिजली'

## मुख्यमंत्री का बड़ा एक्शन, 24 घंटे में ट्रांसफर बदलने का आदेश

**गुलाम शाहिद**

**रांचीः** राज्य में लगातार बिजली कटौती और उपभोक्ताओं की शिकायतों को लेकर मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सख्त रुख अपनाया। उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने बिजली व्यवस्था में व्यापक सुधार के निर्देश देते हुए कहा कि लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर आवश्यक ट्रांसफर और पदस्थापन में बदलाव करने का आदेश दिया, ताकि व्यवस्था में जवाबदेही तय हो सके और आम लोगों को बेहतर बिजली सेवा मिल सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिजली कटौती और उपभोक्ताओं की शिकायतों के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी एवं पारदर्शी व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित हो और ऐसी प्रणाली बनाई जाए, जिससे लोगों को लंबे समय तक परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में भी शहरी इलाकों की तर्ज पर गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के हर घर तक 24 घंटे बेहतर बिजली पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि बिजली आपूर्ति में लापरवाही, अनावश्यक कटौती और शिकायतों के समाधान में देरी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए तत्काल प्रभाव से आवश्यक प्रशासनिक फैसले लागू किए जाएं। मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश के बाद ऊर्जा विभाग में बड़े प्रशासनिक फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। माना जा रहा है कि जल्द ही कई अधिकारियों के तबादले और जिम्मेदारियों में बदलाव किए जा सकते हैं,

## एक साल बाद घर लौटा बेटा, हंटरगंज पुलिस ने मिलाया बिछड़ा परिवार

**चतराः** जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के बहेरी गांव से एक भावुक और सुखद खबर सामने आई है। करीब एक वर्ष पहले पढ़ाई को लेकर मां की डांट से नाराज होकर घर छोड़ने वाला 15 वर्षीय किशोर विकास कुमार आखिरकार सकुशल अपने परिवार के बीच लौट आया। बेटे को सामने देखकर माता-पिता की आंखें खुशी से नम हो गईं और पूरे परिवार में जश्न जैसा माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, बहेरी गांव निवासी राजदेव यादव का पुत्र विकास कुमार 15 जुलाई 2025 को घर से अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने अपने स्तर पर रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार थक-हारकर उन्होंने हंटरगंज थाना में आवेदन देकर बेटे की बरामदगी की गुहार लगाई। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विपिन कुमार ने इसे गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू कराई। उनके निर्देशन में एसआई वीर बहादुर सिंह ने लगातार तकनीकी और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई। पुलिस की सक्रियता और लगातार प्रयासों का ही परिणाम रहा कि किशोर का सुरक्षित पता लगाकर उसे सकुशल बरामद कर लिया गया और उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। करीब एक साल बाद बेटे के घर लौटने से परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। माता-पिता ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने बेटे के मिलने की उम्मीद लगभग टूट चुकी थी, लेकिन हंटरगंज पुलिस की संवेदनशीलता, तत्परता और अथक प्रयासों ने उनके परिवार को फिर से एक कर दिया। इस सफलता के बाद क्षेत्र में भी हंटरगंज पुलिस की कार्यशैली की सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस ने केवल एक लापता किशोर को बरामद नहीं किया, बल्कि एक बिखरे हुए परिवार की खुशियां भी वापस लौटा दीं। थाना प्रभारी विपिन कुमार और एसआई वीर बहादुर सिंह की सक्रिय भूमिका लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।


**हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग**

**दर आमंत्रण सूचना**

हजारीबाग नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत Urban Ayushman Arogya Mandir पर औषधी (Medicine) उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक फर्म/एजेन्सी दिनांक 17.08.2026 को अपराह्न 2:00 बजे तक निगम कार्यालय में कोटेशन सभी करो के साथ जमा करना होगा। कोटेशन उसी दिन अपराह्न 4.00 बजे खोला जायेगा। समय अवधि के पश्चात् प्राप्त कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा। दर आमंत्रण सूचना बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा।

नोट :– नियम, शर्ते एवं औषधियों सूची कार्यालय सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

नगर आयुक्त
नगर निगम, हजारीबाग

PR 386222 Urban Development and Housing(26-27)#D



**झारखण्ड सरकार कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग)**
**प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान (गव्य विकास निदेशालय) HEC सेक्टर–2, धुर्वा, राँची**
**जिला गव्य विकास कार्यालय, सरायकेला–खरसावाँ।**
**नामांकन सूचना डिप्लोमा इन डेयरी टेक्नोलॉजी (DDT)**

वित्तीय वर्ष 2026–27 में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) झारखण्ड सरकार के राज्यादेश संख्या–11 रा0(वि) दिनांक–09.05.2026 के आलोक में झारखण्ड राज्य के शिक्षित युवाओं (10+2 उत्तीर्ण) को सूचित किया जाता है कि Indira Gandhi Open University (IGNOU) के माध्यम से प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान (गव्य विकास) धुर्वा, सेक्टर–2, राँची में स्थापित इग्नु अध्ययन केन्द्र–32023P द्वारा संचालित एक वर्षीय Diploma in Dairy Technology (DDT) पाठ्यक्रम के लिए नामांकन प्रक्रियागत है। राज्य के इच्छुक शिक्षित युवाओं (10+2 उत्तीर्ण) से अनुरोध है कि IGNOU अध्ययन केन्द्र 32023P अन्तर्गत एक वर्षीय Diploma in Dairy Technology (DDT) पाठ्यक्रम (सत्र जुलाई 2026 हेतु) में अपना निबंधन / नामांकन IGNOU के Website www.ignou.ac.in पर करना सुनिश्चित करें।
डिप्लोमा इन डेयरी टेक्नोलॉजी (DDT) पाठ्यक्रम में नामांकन हेतु वांछित शर्तें एवं अर्हता निम्नवत् है :–

| क्र0 | न्यूनतम योग्यता | i. 10+2/Senior Secondary Pass Out<br>ii. Bachelor preparatory Programme (BPP) (Under IGNOU/ODL Mode)<br>iii. 10th Pass May Enroll Simultaneously For the BPP and Diploma Programme |
|---|---|---|
| 1 | कोर्स अवधि | 1 Year (02 Months Weekend Classes) |
| 2 | शिक्षण का माध्यम | हिन्दी एवं अंग्रेजी |
| 3 | नामांकन शुल्क विवरणी | रु0 15,500 |
| 4 | Online नामांकन हेतु IGNOU के Website | www.ignou.ac.in |
| 5 | कुल सीट | 02 |
| 6 | नोट– | प्रथम 40 झारखण्ड राज्य के अभ्यार्थियों को नामांकन शुल्क की 50 प्रतिशत राशि के प्रतिपूर्ति किए जाने का प्रावधान है। |

विशेष जानकारी के लिए जिला गव्य विकास कार्यालय, सरायकेला–खरसावाँ के कार्यालय में कार्य अवधि के दिन सम्पर्क किया जाय।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
सरायकेला–खरसावाँ।

PR 386194 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(26-27)D


## बोकारो रेंज के आईजी शैलेंद्र सिन्हा पहुंचे चतरा, समीक्षा बैठक में सख्त कार्रवाई का दिया निर्देश

### अवैध अफीम कारोबारियों को पुलिस की अंतिम चेतावनी, संपत्ति होगी जब्त, जनता से सहयोग की अपील

**संवाददाता**

**चतराः** बोकारो रेंज के आईजी शैलेंद्र सिन्हा एकदिवसीय दौरे पर बुधवार को चतरा पहुंचे। जिला मुख्यालय के समाहरणालय परिसर में स्थित कांफ्रेंस हॉल में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस महानिरीक्षक प्रक्षेत्र बोकारो शैलेंद्र सिन्हा ने रामगढ़ और चतरा जिले के वरीय एवं कनीय अधिकारी और सभी थाना प्रभारी के साथ समीक्षा बैठक किया। उन्होंने जिले के लंबित मामलों, खासकर संगठित अपराध और नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े केसेज की विस्तृत समीक्षा की।अधिकारी ने बताया कि इससे पहले हजारीबाग जिले के केसेज की भी समीक्षा की जा चुकी है और मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों को सख्त दिशा निर्देश दिए गए हैं।अवैध अफीम की खेती और तस्करी पर बात करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस की ओर से लगातार कड़ी कार्रवाई की जा रही है, लेकिन इस लड़ाई में आम जनता और समाज की सहभागिता भी बेहद जरूरी है। उन्होंने अपील की कि आने वाली पीढ़ी को नशे के दलदल से बचाने के लिए लोग आगे आएं और पुलिस का सहयोग करें। इसके अलावा, अवैध कारोबारियों की संपत्ति कुर्क करने सहित कानून के तहत सख्त से सख्त कदम उठाने की बात कही गई। अवैध कारोबार में लिप्त लोगों को चेतावनी देते हुए अधिकारी ने कहा कि बार-बार अपराध करने पर सजा और कड़ी होती जाएगी, इसलिए गलत रास्ता छोड़कर समाज की मुख्य धारा में लौटें।जिला में तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान से संतुष्ट है लेकिन जड़ से समाप्त के लिए तस्करों के चल अचल संपति की जानकारी लेते हुए सीज करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का कार्य किया जा रहा उसी के संदर्भ कुछ विशेष अभियान लाने के लिए जिला के तमाम वरीय एवं कनीय पुलिस पदाधिकारी के साथ बैठक किया गया।बैठक में चतरा एसपी अनिमेष नैथानी,रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत, चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन, डीएसपी (मु) सुनील कुमार सिंह के अलावा सभी थाना प्रभारी उपस्थित थे।

# मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, गुरुवार, 30 जुलाई 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण प्रतिपद मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 316 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 धरती की चेतावनी सुनिए

शाहिद कपूर की जिस फिल्म के लिए कृति ने छोड़ी अक्षय की पिक्चर 6


हजारीबाग बड़कागांव मुठभेड़

## पुलिस और प्रिंस खान गैंग के बीच मुठभेड़, एक गिरफ्तार, कई फरार

### घायल अपराधी की पहचान सैयद मोहम्मद जीशान के रूप में हुई , मौके पर पहुंचकर एसपी ने संभाली कमान

**मेट्रो रेज**

**हजारीबाग:** जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र के 13 माइल ट्रांसपोर्टिंग रोड पर गुरुवार तड़के पुलिस और प्रिंस खान गैंग से जुड़े अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। घटना के बाद हजारीबाग पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमन कुमार स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच की कमान संभाल ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रिंस खान गैंग से जुड़े कुछ अपराधी क्षेत्र में सक्रिय हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में अभियान चलाया। इसी दौरान पुलिस और अपराधियों का आमना-सामना हो गया, जिसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। मुठभेड़ में एक अपराधी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके अन्य साथी मौके का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे। घायल अपराधी की पहचान सैयद मोहम्मद जीशान के रूप में की गई है। उसे पुलिस की निगरानी में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। उसकी स्थिति पर चिकित्सकों की लगातार नजर बनी हुई है। पुलिस उससे पूछताछ कर गैंग के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी अमन कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सर्च ऑपरेशन तेज करने का आदेश दिया। घटनास्थल से पुलिस ने कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी एकत्र किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

मुठभेड़ के बाद पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। आने-जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है और आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है ताकि फरार अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। घायल अपराधी से पूछताछ और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस मुठभेड़ के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

## एसीबी ने खूंटी महिला थाना प्रभारी को 50 हजार रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

### केस से नाम हटाने के एवज में मांगी थी घूस

**मेट्रो रेज**

**रांची/खूंटी:** झारखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में गुरुवार को एसीबी रांची की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खूंटी महिला थाना की प्रभारी सुलेखा कुमारी सपना को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, महिला थाना में दर्ज एक मामले से आरोपी का नाम हटाने तथा जांच में राहत देने के एवज में थाना प्रभारी ने शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता रिश्वत देने के पक्ष में नहीं था। इसके बाद उसने पूरे मामले की शिकायत एसीबी रांची से की। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का गुप्त सत्यापन कराया। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर ब्यूरो ने आरोपी थाना प्रभारी को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई। पूर्व निर्धारित योजना के तहत शिकायतकर्ता रिश्वत की राशि लेकर महिला थाना प्रभारी के पास पहुंचा। जैसे ही उसने 50 हजार रुपये उन्हें सौंपे, आसपास सादे लिबास में तैनात एसीबी की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सुलेखा कुमारी सपना को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम उन्हें पूछताछ और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए रांची स्थित एसीबी मुख्यालय ले गई। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

वर्ष 2021 में भी हुई थी ऐसी ही कार्रवाईः खूंटी महिला थाना में रिश्वतखोरी का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले वर्ष 2021 में तत्कालीन महिला थाना प्रभारी मीरा कुमारी को भी एसीबी ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। कुछ ही वर्षों के भीतर एक ही थाने के दो थाना प्रभारियों का घूसखोरी के आरोप में गिरफ्तार होना पुलिस व्यवस्था और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

### तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से महिला की मौत

**मेट्रो रेज**

**रांची:** बरियातू के रानी बागान के समीप तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से सपना कुमारी (30) नामक महिला की मौत हो गयी। वह मूल रूप से बिहार के भागलपुर की रहनेवाली थी और खेलगांव के पास होटल चलाती थी। महिला अपने होटल से घर लौट रही थी, तभी तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। गंभीर हालत में सपना कुमारी को रिम्स में भर्ती कराया गया, जहां मौत हो गयी।

## संदिग्ध अवस्था में मिला ग्राम प्रधान का शव, जांच में जुटी पुलिस

**संवाददाता**

**लातेहार:** जिला मुख्यालय के मेन रोड में गुरुवार को गारू प्रखंड के कबरी गांव के ग्राम प्रधान राजेंद्र उरांव का शव संदिग्ध अवस्था में मिला है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

दरअसल, गुरुवार को कुछ लोगों ने सड़क के किनारे एक व्यक्ति को बेसुध पड़ा हुआ देखा। बाद में जब कुछ लोगों ने पास जाकर देखा तो पाया की वह मृत है। इसके बाद घटना की जानकारी तत्काल लातेहार पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मृतक के शव का पंचनामा करते हुए उसे कब्जे में ले लिया। वहीं मृतक की पहचान करते हुए मामले की सूचना उनके परिजनों को दी गई।

हालांकि ग्राम प्रधान की मौत कैसे हुई इसकी जांच चल रही है, लेकिन कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि व्यक्ति को नशे की हालत में देखा गया था। स्थानीय लोगों ने संभावना जताई है कि नशे की हालत में ही गिरने से या फिर चोट लगने से उनकी मौत हुई होगी। इधर, मृतक ग्राम प्रधान के गांव वालों ने बताया कि यह बुधवार को ही अपने घर से निकले थे। गुरुवार को गांव में सूचना आई की ग्राम प्रधान की मौत हो गई है।

## रामकृपाल कंस्ट्रक्शन के ठिकानों पर आयकर विभाग का सर्वे, रांची और बेगूसराय कार्यालयों में कार्रवाई

**मेट्रो रेज**

**रांची:** आयकर विभाग की अनुसंधान (इन्वेस्टिगेशन) शाखा ने गुरुवार को सड़क, भवन और पुल निर्माण कार्यों से जुड़ी प्रमुख निर्माण कंपनी रामकृपाल कंस्ट्रक्शन के विभिन्न ठिकानों पर सर्वे की कार्रवाई शुरू की। यह सर्वे कंपनी के रांची और बेगूसराय स्थित कार्यालयों में एक साथ चलाया गया। आयकर विभाग की टीम कंपनी के वित्तीय दस्तावेजों, लेन-देन और कर संबंधी अभिलेखों की गहन जांच में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की कार्रवाई केवल कंपनी तक सीमित नहीं है, बल्कि कंपनी से जुड़े कुछ अन्य ठेकेदारों और व्यावसायिक सहयोगियों को भी सर्वे के दायरे में शामिल किया गया है। विभागीय अधिकारी कंपनी के वित्तीय लेन-देन, कर अनुपालन तथा अन्य व्यावसायिक दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि रामकृपाल कंस्ट्रक्शन झारखंड, बिहार समेत देश के कई राज्यों में सड़क, भवन और पुल निर्माण से जुड़े बड़े सरकारी एवं निजी परियोजनाओं में कार्यरत है। कंपनी के साथ करीब एक दर्जन से अधिक छोटे और मध्यम स्तर के ठेकेदार भी जुड़े हुए हैं, जो विभिन्न परियोजनाओं में निर्माण कार्य करते हैं।

सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग की टीम सर्वे के दौरान कंपनी के लेखा-जोखा, बैंकिंग रिकॉर्ड, कर भुगतान से संबंधित दस्तावेज तथा अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों की जांच कर रही है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक विभाग की ओर से इस कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था और न ही सर्वे के दौरान किसी प्रकार की बरामदगी या अनियमितता की पुष्टि की गई है।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भी रामकृपाल कंस्ट्रक्शन से जुड़े एक कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की थी। उस दौरान कर्मचारी को कथित रूप से रिश्वत देते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, वर्तमान आयकर सर्वे का उस मामले से प्रत्यक्ष संबंध है या नहीं, इस संबंध में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

## अपराधियों ने तीन लोगों पर किया जानलेवा हमला, एक की मौत, दो गंभीर,जांच में जुटी पुलिस

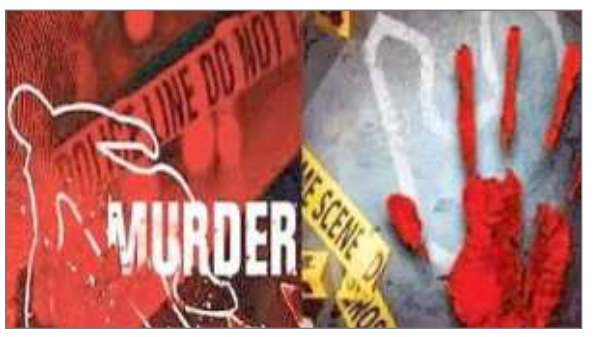


**पलामू:** जिले के चैनपुर थाना इलाके के काराकाट बंदुआ गांव में एक खूनी वारदात में अपराधियों ने दो लोगों को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जबकि एक को गोली मार दी। तीनों को गंभीर हालत में मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। एक व्यक्ति की गंभीर हालत को देखते हुए उसे रिम्स रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। बाकी दो का एमएमसीएच में इलाज चल रहा है।

घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सुबह शाहपुर डाल्टनगंज कोयल पुल को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर चैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस मौके से साक्ष्य इकट्ठा कर हमलावरों की पहचान कर रही है।

घायलों में सुलेमान मियां और शाहीना बीबी का इलाज चल रहा है, जबकि मकबूल की मौत हो गई है। मकबूल और शाहीना को चाकू मारा गया, जबकि सुलेमान को गोली मारी गई।

घायलों के परिजनों ने बताया कि सुलेमान की बेटी के साथ छेड़छाड़ की वजह से यह घटना हुई। इस घटना में तबरेज और अबरेज आलम, गोखुला मियां, आजाद मियां, क्यूम मियां, शेरू मियां, सोनू मियां और इमरान मियां समेत दूसरे लोग शामिल थे।

बता दें कि सुलेमान के एक बेटे की भी 2024 में हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि पुलिस अभी तक उसके हत्यारों को नहीं ढूंढ पाई है। चैनपुर थाना प्रभारी लाल जी घटना की जांच में जुट गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी की खबर नहीं है।

## बांकीपुर उपचुनाव : भाजपा और जन सुराज कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, 3 बूथों पर बिगड़े हालात, पुलिस ने संभाला मोर्चा

### 3 राज्यों की 3 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान जारी, बांकीपुर-दतिया और मांजलपुर में डाले जा रहे वोट, नतीजे 3 को

**पटना :** पटना जिले में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए गुरुवार को जारी वोटिंग के दौरान किदवईपुरी में पोलिंग बूथ के पास भाजपा और जन सुराज के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने दखल दिया और स्थिति को काबू में किया। यह झड़प किदवईपुरी में पोलिंग बूथ नंबर 101, 102 और 103 के बाहर हुई।

जन सुराज कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के पूर्व उम्मीदवार बंटी पोलिंग स्टेशन पर मतदाताओं को डरा-धमकाकर प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे। भाजपा ने इस आरोप पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बूथ पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए तुरंत दखल दिया और दोनों पक्षों के समर्थकों को वहां से हटाया।

हालात सामान्य होने के बाद वोटिंग जारी रही। यह टकराव वोटिंग से ठीक पहले बढ़े राजनीतिक तनाव के बाद हुआ। बुधवार रात, पटना पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स ने जन सुराज पार्टी के करीब 20 नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोग चुनाव से पहले गड़बड़ी फैलाने और अफवाह उड़ाने की कोशिश कर रहे थे। इन खास आरोपों के बारे में अभी सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

हिरासत में लिए जाने के बाद, जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर बुधवार देर रात पार्टी समर्थकों के साथ जक्कनपुर पुलिस स्टेशन पहुंचे और पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया। मीडिया से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने सरकार पर घबराहट में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर जन सुराज के किसी कार्यकर्ता ने कोई अपराध किया है, तो पुलिस को मामला दर्ज कर कानून के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके परिवार या साथियों को उनकी लोकेशन बताए बिना हिरासत में लेने पर सवाल उठाए।

उन्होंने दावा किया कि पार्टी के करीब 15 से 16 नेता अभी भी लापता हैं और चेतावनी दी कि अगर पुलिस उनकी हिरासत का कारण नहीं बताती है, तो इस कार्रवाई की वैधता पर सवाल उठ सकते हैं। जन सुराज के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह और पार्टी की महिला विंग की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने पुलिस की कार्रवाई को एकतरफा बताया और आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के सदस्यों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। पार्टी ने यह भी दावा किया कि पुलिस और एसटीएफ की टीमें पटना के अलग-अलग इलाकों में लगातार छापेमारी कर रही थीं।

ये आरोप जन सुराज ने लगाए हैं और पुलिस ने हर खास दावे पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच, कड़ी सुरक्षा के बीच बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग जारी रही। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोशल मीडिया के जरिए वोटरों से बड़ी संख्या में हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि बांकीपुर, मंजलपुर और दतिया के भविष्य के लिए हर वोट अहम है। उन्होंने भरोसा जताया कि वोटर एक बार फिर विकास, सुशासन और जनसेवा के भाजपा के एजेंडे का समर्थन करेंगे।

## पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में चेकपॉइंट पर हुआ जोरदार धमाका, सात पुलिसकर्मियों की मौत ,22 घायल

**इस्लामाबाद :** पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में इन दिनों हालात बेहद खराब हैं। इस बीच पुलिस ने बताया है कि पाकिस्तान के उत्तरी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के हंगू जिले में आतंकवादियों के एक ग्रुप ने पुलिस चेकपॉइंट पर हमला कर दिया। इसमें कम से कम सात पुलिसकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल हो गए। एक रिपोर्ट के अनुसार डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिसर तारिक हबीब ने बुधवार देर रात स्थानीय मीडिया को बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आठ आतंकवादी मारे गए और छह दूसरे घायल हो गए।

पुलिस ने कहा कि बचे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए इलाके में क्लीयरेंस ऑपरेशन जारी है। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को आर्तकियों ने लगातार निशाना बनाया है, जिसमें कई

### नीट विरोध में पैलेट गन के इस्तेमाल का मामला

## सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से रैफ के हथियारों का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने को कहा

**नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि विरोध प्रदर्शन, भले ही अक्सर अच्छे मकसद से होते हैं, लेकिन उनके गलत मकसद और तोड़-फोड़ के लिए हाईजैक होने का खतरा रहता है, जिसके लिए धीरे-धीरे जवाब देने की जरूरत होती है।

इसने केंद्र से कहा कि वह नीट पेपर लीक को लेकर छात्रों के आंदोलन के दौरान जंतर-मंतर पर तैनात आरएएफ के गोला-बारूद के रिकॉर्ड सुरक्षित रखे।

सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त और रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद और दो पीड़ितों की याचिका में किए गए एक अनुरोध पर सवाल उठाया। याचिका में

कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए मेटैलिक पेलेट गन के इस्तेमाल पर पूरी तरह बैन लगाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से एडवोकेट वृंदा ग्रोवर और केंद्र और दिल्ली सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रतिनिधित्व किया। पीठ ने पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) की एडवाइजरी का जिक्र किया और कहा कि पुलिस को खास हालात में पैलेट गन इस्तेमाल करने का अधिकार है।

## सुविचार

**सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।**

## स्मृतियों में जिम कॉर्बेट

प्रकृति के सजग चितेरे, वन्यजीव विज्ञानी, शिकार कथा लेखक और प्रसिद्ध शिकारी जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट यानी जिम कॉर्बेट की 151वीं जयंती 25 जुलाई के साथ खामोशी के साथ गुजर गई। 71 वर्ष पूर्व उनकी आत्मा अनंत में विलीन हो चुकी है। इसके बावजूद नेकदिली और भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट भारत के सामाजिक जीवन का अटूट हिस्सा बने हुए हैं। जिन लोगों ने जिम कॉर्बेट को कभी देखा नहीं, वे भी गरीबों से अगाध प्रेम करने वाले नेक दिल इंसान के रूप में जिम के प्रति श्रद्धा रखते हैं। जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट के पुरखे मूलतः आयरिश नागरिक थे। कॉर्बेट का कुटुंब तीन पीढ़ियों तक भारत में रहा। जिम कॉर्बेट का जन्म 25 जुलाई,1875 को नैनीताल में हुआ था। इस दृष्टि से वे जन्म से भारतीय थे। संस्कारों से भी। जिम के पिता का नाम क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट था। वे नैनीताल के हेड पोस्ट ऑफिस में पोस्ट मास्टर थे। उनकी मां का नाम मैरी जेन कॉर्बेट था। जिम कॉर्बेट की ख्याति कुशल शिकारी और शिकार कथा लेखक के रूप में है, लेकिन यह उनके व्यक्तित्व का अधूरा पक्ष है। वे अचूक निशानेबाज तो थे ही, इसी से उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। इसके इतर वे गरीबों के प्रति अत्यधिक उदार और मानवीय गुणों से भरे संवेदनशील भलमानुष भी थे। उन्होंने अनेक बार स्वयं के जीवन को गंभीर संकट में डालकर मानव जीवन की रक्षा की। इसी भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट के जन्म से ईसाई होने के बावजूद उत्तराखंड की धर्मभीरू जनता ने उन्हे 'गोरा साधु' की संज्ञा दी थी। जिम कॉर्बेट ने करीब डेढ़ हजार लोगों को मारने के लिए जिम्मेदार दर्जन भर से अधिक खूंखार नरभक्षियों का अत्यंत साहस और बहादुरी के साथ मुकाबला किया। अपने प्राणों की परवाह किए बिना नरभक्षियों से लड़े। जिन आदमखोरों के सामने देश- विदेश के अनेक नामचीन निशानेबाजों ने हथियार डाल दिए थे, जिम कॉर्बेट ने अकेले उनका खात्मा कर उत्तराखंड के निवासियों को नरभक्षियों के आतंक से मुक्ति दिलाई। इस वजह से उत्तराखंड का जनमानस जिम कॉर्बेट को चमत्कारिक शक्ति से संपन्न व्यक्ति मानता था। जिम कॉर्बेट के जीवन का अधिकांश हिस्सा कुदरत के निकट बीता। उन्होंने जंगल को अपने भीतर सोख लिया था। उनका संपूर्ण जीवन प्रकृति के सूक्ष्म और गहन रहस्यों को जानते और आत्मसात करने में बीता। स्वअर्जित जंगल ज्ञान के बूते ही वे प्रकृति के ज्ञाता बने और दुर्दांत नरभक्षियों को मारने में सफल हुए। जिम कॉर्बेट का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे प्रकृति विज्ञानी, वन्यजीव विशेषज्ञ एवं मशहूर शिकारी थे साथ ही वन्यजीव रक्षक भी। उन्होंने रेलवे में नौकरी की। सेना में भी सेवाएं दी। जिम कॉर्बेट को सेना में कर्नल की पदवी से नवाजा गया था। वे लोकप्रिय जनप्रतिनिधि भी रहे।

जिम कॉर्बेट ने 1907 से 1940 के कालखंड में नैनीताल नगर पालिका के सदस्य, उपाध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन किया। वे ठेकेदार भी थे और संपत्ति एजेंट भी। जिम सिद्धहस्त लेखक भी थे और प्रसिद्ध वन्यजीव फोटोग्राफर भी। जिम की तत्कालीन अंग्रेज शासकों के साथ निकटता भी थी और वे भारत के गरीबों के अजीज दोस्त एवं हमदर्द भी थे। जिम कॉर्बेट के व्यक्तित्त्व का सबसे उजला पक्ष था- उनकी दानशीलता और गरीबों के प्रति आत्मीयता। 1893 से 1914 के दौरान मोकामाघाट में रेलवे की नौकरी के कालखंड को छोड़कर जिम कॉर्बेट का अधिकांश जीवन नैनीताल और कालाढूंगी में ही बीता। जिम कॉर्बेट भारत भूमि और भारत के गरीबों से बेपनाह मोहब्बत करते थे। जिम कॉर्बेट ने अपनी बहुचर्चित किताब ₹माय इंडिया₹ हिंदुस्तान के गरीबों को समर्पित की है। जिम कॉर्बेट ने ₹माय इंडिया₹ की प्रस्तावना में लिखा, ₹जिस हिंदुस्तान को मैं जानता हूं, उसमें चालीस करोड़ लोग रहते हैं, जिनमें से नब्बे फीसदी लोग सीधे- सादे, ईमानदार, बहादुर, वफादार और मेहनती हैं, जिनकी रोजाना की इबादत- ऊपर वाले से और जो भी सरकार गद्दी पर हो, से यही रहती है कि उनकी जान-माल की सलामती बनी रहे और वो अपनी मेहनत का फल अच्छे से खा सकें। हिंदुस्तान के ये वो लोग हैं, जो निपट गरीब हैं और जिन्हें अक्सर 'हिंदुस्तान के करोड़ों अधपेटे' कहा जाता है। ये वे लोग हैं जिनके बीच मैं रहा हूं और जिनसे मैं मोहब्बत करता हूं। यही वो लोग हैं जिनके बारे में बताने की कोशिश मैं इस किताब के पन्नों में करूंगा और यह किताब मैं अपने उन्हीं दोस्तों के नाम करता हूं। हिंदुस्तान के गरीबों के नाम। जिम कार्बेट और उनकी बहन मारग्रेट विनिफर्ड ₹मैगी₹ ने 30 नवंबर, 1947 को भारी मन से नैनीताल को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। वे रोते- बिलखते सेवकों को छोड़कर केन्या की ओर चल पड़े। जिम कॉर्बेट और मैगी कभी नैनीताल नहीं छोड़ना चाहते थे। नैनीताल छोड़ते समय अपनी मनोदशा के बारे में जिम कॉर्बेट की बहन मैगी ने केन्या से अपने किसी मित्र को भेजे पत्र में लिखा था, ₹जिस सुबह हम निकलने वाले थे, सुबह सबसे पहले हमने तालाब को देखा, सुबह की रोशनी में तालाब बेहद खूबसूरत दिख रहा था। तालाब की इस खूबसूरती को शब्दों में व्यक्त कर पाना असंभव है। हमारे नौकरों ने हमारा जाना आसान नहीं किया, वे रो रहे थे। उनके आंसू गालों से नीचे को लुढ़क रहे थे। जब हम पहाड़ी से नीचे उतर रहे थे, हमने मुड़कर उस घर (गर्नी हाउस) को देखा, जिस घर को अब हम दुबारा कभी नहीं देख पाएंगे। जिम कॉर्बेट बेहतरीन शिकारी ही नहीं बल्कि उच्चकोटि के आदर्शवादी इंसान भी थे। वे आमदखोर जानवर को भी अपने बचाव का भरपूर अवसर देने के प्रबल पक्षधर थे। जिम कॉर्बेट के इस उच्च स्तरीय आदर्शवादिता को एक वाकये से बखूबी समझा जा सकता है। जब जिम कॉर्बेट मोहान के खूंखार नरभक्षी शेर को मारने के लिए घने जंगल में अकेले उसका पीछा कर रहे थे, एकाएक एक गहरी संकरी खाई में जिम कॉर्बेट और नरभक्षी शेर का प्रत्यक्ष आमना-सामना हो गया। शेर, चारे के रूप में लगाए गए कटड़े को खाकर संकरी खाई में टूटे वृक्ष के तने के नीचे आराम फरमा रहा था। नरभक्षी को खोजते हुए जिम उसके बेहद करीब पहुंच गए। नरभक्षी शेर के मुंह और जिम के बीच केवल पांच फिट का फासला था। शेर नींद में था। जिम ने नरभक्षी शेर के माथे पर दनादन दो गोलियां उतार दीं। शेर वहीं पर ढेर हो गया। जिम कॉर्बेट इस नरभक्षी को मारने के निमित्त महीनों से दिन -रात जंगलों की खाक छान रहे थे। उनका काम पूरा हो गया था। इस वाकये के वक्त वहां जिम और नरभक्षी के अलावा कोई और चश्मदीद नहीं था। शेर को मारने के बाद जिम शेर की लाश के पास ही गिरे हुए पेड़ के तने पर बैठ गए। सिगरेट सुलगाई और सोचने लगे कि उन्होंने नरभक्षी शेर को मारने का यह काम ठीक ईमानदारी से नहीं किया। जिम कॉर्बेट सोते हुए शेर को मार गिराने को नैतिक रूप से उचित ठहराने के लिए मन ही मन अनेक तर्क गढ़ने लगे। उन्होंने खुद को तसल्ली देने के लिए तर्क दिया कि शेर नरभक्षी था, जिसका जीवित रहने से मर जाना बेहतर था, इसलिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि जब उसे मारा गया वह जागा हुआ था या सोया हुआ। यदि उसे छोड़ दिया जाता तो उन सभी मानवों की संभावित मृत्यु के लिए, जिन्हें वह उसके बाद मारता, उसके लिए नैतिक रूप से वे (जिम) ही जिम्मेदार होते। जिम कॉर्बेट का मानना था कि सोये हुए शेर को मारने के लिए इन बलवान तर्कों के बावजूद यह खेद फिर भी बचा रह जाता है कि उन्होंने सोते हुए जानवर को बचाव के लिए खिलाड़ी जैसा मौका दिए बिना मार दिया। जिम कॉर्बेट का मानना था कि आदमखोर जानवर को भी बचाव का उचित अवसर मिलना चाहिए। जिम ने इस घटना पर अफसोस जताते हुए खुद इसका उल्लेख अपनी किताब ₹कुमाऊं के नरभक्षी₹ में किया

# धरती की चेतावनी सुनिए

**पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्ही चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था।**

**योगेश कुमार गोयल**

पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को ह्यविश्व प्रकृति संरक्षण दिवसह्न मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है। साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था। तब औद्योगिक इकाइयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी।

पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्ही चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं। लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे। प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है। पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफान, बाढ़, सूखा, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है। दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गरमाहट के चलते हमें अकसर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गरमाहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है। हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विडंबना है कि लगातार प्रकृति का प्रचंड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# संकट बनती निमार्णाधीन सुरंगें

**25 मजदूर घटना के समय सुरंग में काम कर रहे थे। 500 मेगावाट की इस परियोजना में विस्फोट के कारण मिथेन का रिसाव हुआ बताया जा रहा है। रिसाव के चलते राष्ट्रीय और राज्य आपदा राहत दलों को बचाव कार्य में कठिनाई आ रही है। सुरंग के भीतर ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम रह गया था।**

**प्रमोद भार्गव**

मानव जीवन के लिए प्रकृति को छलनी कर किया जा रहा आधुनिक विकास, जहां जरूरी है, वहीं संकट का सबब भी बन रहा है सिक्किम के नामची जिले में समरडुंग-झोलुंगे में नामची जल विद्युत सुरंग परियोजना (तीस्ता नदी चरण-5) की निमार्णाधीन सुरंग में तेज बारिश, भूस्खलन और जहरीली गैस मीथेन के रिसाव चलते बड़ी दुर्घटना घटी है। इसमें 20 मजदूरों की मौत हो गई। कुल 25 मजदूर घटना के समय सुरंग में काम कर रहे थे। 500 मेगावाट की इस परियोजना में विस्फोट के कारण मिथेन का रिसाव हुआ बताया जा रहा है। रिसाव के चलते राष्ट्रीय और राज्य आपदा राहत दलों को बचाव कार्य में कठिनाई आ रही है। सुरंग के भीतर ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम रह गया था। इस कारण कई बेहोश हो गए थे। फंसे लोगों को निकालने के लिए हरसंभव प्रयास हो रहे हैं। सुरंगों के लिए किए जाने वाले भीषण विस्फोटों को भूस्खलन एक बड़ा कारण माना जा रहा है। नामची जिले में जल विद्युत ऊर्जा निगम तीस्ता छह परियोजनाओं के लिए सुरंगें बनाई जा रही हैं। समूचे हिमालय में घट रही ऐसी घटनाएं पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल खड़े कर रही हैं। इस सुरंग के अलावा सिक्किम के ऊंचाई वाले नगरों व ग्रामों तक पहुँच आसान बनाने के लिए अनेक सुरंगें निमार्णाधीन हैं। इनमें 578 मीटर लंबी एक सुरंग मंगन जिले की सीमा में गंगटोक-चुंगथांग राजमार्ग पर बन रही है। दूसरी प्रमुख सुरंग सिवोक-रंगपो है। इसे पाक्योंग जिले में भारत-तिब्बत तक बनाया जा रहा है। यह सुरंग सीमा तक सैनिकों की आवाजाही को आसान बनाएगी। मालूम हो, बीते साल फरवरी 2025 में तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले के डोमलपेंटा गांव में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की निमार्णाधीन सुरंग में फंसे आठ लोगों का जीवन बचाने में अनेक मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा था। 42 किमी लंबी यह सुरंग बनने के बाद दुनिया की सबसे लंबी पानी की सुरंग कहलाएगी। 2023 में उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निमार्णाधीन सुरंग का एक हिस्सा भूमि में धंस जाने के कारण 40 मजदूर फंस गए थे। उनके प्राण पिछले कुछ दिनों से संकट में जरूर हैं, लेकिन उन्हें बचा लिया गया था।यह हादसा उत्तरकाशी से 55 किमी दूर निमार्णाधीन सिल्क्यारा-पोलगांव सुरंग के भीतर हुआ था। यह हादसा भू-स्खलन के कारण सुरंग का 15 मीटर हिस्सा जमीन में धंस जाने के कारण घटित हुआ था। बरसात के मौसम में सुरगें मलबे और पानी से भर जाती हैं। फंसे लोगों को बचाने के लिए रैट माइनर्स अर्थात चूहों की तरह खदान खोदने वाले विशेषज्ञ खनिक इस काम को अंजाम तक पहुंचा पाते हैं। यही सिक्किम के लोगों को बचने के काम में जुटे हैं। बचाव दल रोबोटिक कैमरों की मदद से लोगों तक बमुशिकल पहुँच पता है। ये थर्मल फिशिंग नौका से सुरंग के अंदर पहुंचते हैं।

वर्तमान में देशभर के पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अनदेखी करके सड़कों, रेल लाइन, नहरों के पानी की निकासी, नदी जोड़ों और जल विद्युत परियोजनाओं के लिए हिमालय के शिखरों से लेकर मध्य और दक्षिण भारत के अनेक पहाड़ो को खोदा जा रहा है। इन कठिन कार्यों को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए अनेक दुर्घटनाओं का सामना भी करना पड़ रहा है। समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के परिप्रेक्ष्य में जल विद्युत संयंत्र और रेल परियोजनाओं की बाढ़ आई हुई है। इन योजनाओं के लिए हिमालय क्षेत्र में रेल गुजारने और कई हिमालयी छोटी नदियों को बड़ी नदियों में डालने के लिए सुरगें निर्मित की जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं के लिए जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है।

इस आधुनिक औद्योगिक और प्रौद्योगिकी विकास का ही परिणाम है कि आज हिमालय ही नहीं, हिमालय के शिखर दरकने लगे हैं, जिन पर हजारों साल से मानव बसाहटें अपने ज्ञान-परंपरा के बूते जीवन-यापन करने के साथ हिमालय और वहां रहने वाले अन्य जीव-जगत की भी रक्षा करते चले आ रहे हैं। हिमालय और पृथ्वी सुरक्षित बने रहें, इस दृष्टि से कृतज्ञ मनुष्य ने अथर्ववेद में लिखे पृथ्वी-सूक्त में अनेक प्रार्थनाएं की हैं। यह सूक्त में राष्ट्रीय अवधारणा एवं वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को विकसित, पोषित एवं फलित करने के लिए मनुष्य को नीति और धर्म से बांधने की कोशिश की हैं। लेकिन हमने कथित भौतिक सुविधाओं के लिए अपने आधार को ही नष्ट करने का काम आधुनिक विकास के बहाने कर दिया। जोशीमठ इसी अनियोजित विकास की परिणति है। उत्तराखंड के चमोली जिले में आने वाले जोशीमठ शहर ने कई अप्रिय कारणों से नीति-नियंताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा जारी उपग्रह तस्वीरों से जोशीमठ के हिमालय के गर्भ में घंस जाने की चिंता जताई है। सिमटती धरती की इन प्रामाणिक सच्चाइयों को छिपाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तराखंड सरकार ने अंतरिक्ष एजेंसी समेत कई सरकारी संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे मीडिया के साथ जानकारी साझा न करे। उत्तराखंड में गंगा और उसकी सहयोगी नदियों पर एक लाख तीस हजार करोड़ की जल विद्युत परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं। इनमें से कई पूरी भी हो गई हैं। इन संयंत्रों की स्थापना के लिए लाखों पेड़ों को काटने के बाद पहाड़ों को निर्ममता से छलनी किया जा रहा है और नदियों पर बांध निर्माण के लिए बुनियाद हेतु गहरे गड्ढे खोदकर खंबे व दीवारें खड़े किए जाते हैं। कई जगह सुरगें बनाकर पानी की धार को संयंत्र के पंखों पर डालने के उपाय किए गए हैं। इन गड्ढों और सुरंगों की खुदाई में ड्रिल मशीनों से जो कंपन होता है, वह पहाड़ की परतों की दरारों को खाली कर देता है और पेड़ों की जड़ों से जो पहाड़ गुंथे होते हैं, उनकी पकड़ भी इस कंपन से ढीली पड़ जाती है। नतीजतन तेज बारिश के चलते पहाड़ों के ढहने और हिमखंडो के टूटने की घटनाएं पूरे हिमालय क्षेत्र में लगातार बढ़ जाती हैं। यही नहीं कठोर पत्थरों को तोड़ने के लिए भीषण विस्फोट भी किए जाकर हिमालय को हिलाया जा रहा है। हिमालय में अनेक रेल परियोजनाएं भी निमार्णाधीन है। सबसे बड़ी रेल परियोजना उत्तराखंड के चार जिलों (टेहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमोली) के तीस से ज्यादा गांवों को भी विकास की कीमत चुकानी पड़ रही है। छह हजार परिवार विस्थापन के दायरे में आ गए हैं। रुद्रप्रयाग जिले के मरोड़ा गांव के सभी घर दरक गए है। रेल विभाग ने इनके विस्थापन की तैयारी कर ली है। यह तो शुरूआत है, लेकिन ये विकास इसी तरह जारी रहते हैं तो बबार्दी का नक्शा बहुत विस्तृत होगा। दरअसल ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेल परियोजना 125 किमी लेगी है। इसके लिए सबसे लंबी सुरंग देवप्रयाग से जनासू तक बनाई जा रही है, जो 14.8 किमी लंबी है। केवल इसी सुरंग का निर्माण बोरिंग मशीन से किया जा रहा है। बांकी जो 15 सुरंगें बन रही हैं, उनमें ड्रिल तकनीक से बारूद लगाकर विस्फोट किए जा रहे हैं। इस परियोजना का दूसरा चरण कर्णप्रयाग से जोशीमठ के बजाय अब पीपलकोटी तक होगा। भू-गर्भीय सर्वेक्षण के बाद रेल विकास निगम ने जोशीमठ क्षेत्र की भौगोलिक संरचना को परियोजना के अनुकूल नहीं पाया था। इसलिए अब इस परियोजना का अंतिम पड़ाव पीपलकोटी कर दिया है,जो एक अच्छी पहल है। हिमालय की ठोस व कठोर अंदरूनी सतहों में ये विस्फोट दरारें पैदा करके पेड़ों की जड़े हिला रहे हैं। हिमालय की अलकनंदा नदी घाटी ज्यादा संवेदनशील है। रेल परियोजनाएं इसी नदी से सटे पहाड़ों के नीचे और ऊपर निमार्णाधीन हैं।

# आंध्र प्रदेश का सिंहाचलम मंदिर में साल में सिर्फ 24 घंटे होते हैं असली दर्शन

भारत आंध्र प्रदेश का सिंहाचलम मंदिर भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार को समर्पित है। यह मंदिर बेहद दिव्य और अद्भुत है। आपको जानकर हैरानी होगी कि भगवान नरसिंह की मूर्ति से साल में सिर्फ 24 घंटे के लिए 'चंदन की परत' हटाई जाती है। तभी यह मंदिर दर्शन के लिए खुलता है। ऐसे में भक्त साल में सिर्फ 24 घंटे के लिए भगवान नरसिंह के असली विग्रह के दर्शन कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर से जुड़ी कुछ अनोखी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

### कहां स्थित है दिव्य धाम

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में सिंहाचलम मंदिर स्थित है। यह मंदिर आस्था और वास्तुकला का अनोखा और अद्भुत संगम है। विशाखापट्टनम से लगभग 16 किमी दूर वराह लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर सिंहाचल पर्वत की चोटी पर स्थित है। माना जाता है कि भगवान विष्णु के परम भक्त प्रह्लाद ने स्वयं इस मंदिर का निर्माण कराया था।

### क्यों लगाया जाता है चंदन का लेप

भगवान विष्णु को नरसिंह अवतार उग्रता और वीरता का प्रतीक है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक हिरण्यकशिपु का वध करने के बाद जब भगवान नरसिंह का क्रोध बहुत बढ़ गया, तो सभी देवताओं की भगवान नरसिंह को शांत कराने की कोशिश असफल रही। जिसके बाद भगवान नरसिंह अपने परम भक्त प्रह्लाद की प्रार्थना पर शांत हुए और सिंहाचलम पर्वत पर प्रकट हुए। भगवान नरसिंह की उग्रता और तेज को कम करने के लिए उनको चंदन से शीतल रखा जाता है। यही वजह है कि साल भर भगवान नरसिंह चंदन से ढके रहते हैं, जिससे कि उनका स्वरूप सौम्य रहे।

### जानें कब खुलता है यह मंदिर

बता दें कि चंदन की मोटी परत से ढके रहने की वजह से भगवान नरसिंह की मूर्ति एक शिवलिंग के आकार में दिखती है। सिर्फ अक्षय तृतीया के पावन दिन पर यह चंदन हटाया जाता है। जिसको 'निजरूप दर्शन' या 'चंदनोत्सव' भी कहा जाता है। सिर्फ इसी दिन भक्त भगवान के असली विग्रह को देख पाते हैं। अक्षय तृतीया के दिन इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। वहीं नरसिंह जयंती पर भी भक्त मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं।

### क्या है मंदिर की खासियत

आमतौर पर आपको भगवान नरसिंग के अन्य मंदिरों में भगवान का उग्र रूप देखने को मिलेगा। लेकिन सिंहाचलम मंदिर में भगवान नरसिंह मां लक्ष्मी के साथ बेहद सौम्य और शांत मुद्रा में विराजमान हैं। वहीं मंदिर की वास्तुकला में चोल, चालुक्य और कलिंग शैलियों का मिश्रण देखने को मिलेगा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

**email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

## मृत्यु के बाद श्राद्ध भोज को समाप्त करना समाज का सराहनीय कदम

**साहिबगंज :** बीते 16 जुलाई को राजद के जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव के पिता हीरालाल यादव का देहांत हो गया था।वही 28 जुलाई को श्राद्ध कर्म के बाद एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जहां समाज के लोगों ने स्वर्गीय हीरालाल यादव के तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किए।वही समाज के प्रबुद्ध नागरिकों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मृत्यु के बाद आयोजित होने वाले अनावश्यक श्राद्ध भोज जैसी कुरीति को समाप्त करने का संकल्प लिया।वही राजद के जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव ने कहा कि सदियों से चली आ रही मृत्यु भोज से परहेज किया गया,जो कि समाज के लोगों के लिए प्रेरणा लेने की बात कही गई।उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य शोकग्रस्त परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक और सामाजिक बोझ को कम करना तथा समाज में सादगी,समानता और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा देना है।इस अवसर पर समाज के लोगों ने स्पष्ट संदेश दिया कि किसी परिवार का सम्मान उसके द्वारा दिए गए भोज से नहीं,बल्कि उसके संस्कार,सदाचार और सामाजिक योगदान से होता है।इसलिए समाज के सभी सदस्यों से अपील की गई कि वे इस सकारात्मक बदलाव का समर्थन करें और ऐसे आयोजनों में भाग लेने के बजाय शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना और सहयोग का भाव रखें।समाज का मानना है कि इस प्रकार की पहल से अनावश्यक खर्चों पर रोक लगेगी,आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिलेगी और नई पीढ़ी में सामाजिक सुधार एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी।यह निर्णय एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है,जहाँ परंपराओं का सम्मान करते हुए कुरीतियों को त्यागकर सकारात्मक परिवर्तन को अपनाया जाए। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिला अध्यक्ष अजय यादव,गणेश यादव,बुद्धदेव यादव,सुबोध शर्मा मोती लाल यादव,पारस यादव,शिवशंकर यादव,चंदन यादव,विमल यादव,मंटु यादव,हरेन्द्र यादव,देवानंद यादव, रणवीर यादव,रणधीर प्रसाद,कमल यादव,छोटु यादव,संजय यादव सहित समस्त ग्रामीण उपस्थित थे।

## मुखिया प्रतिनिधि पर लगा वित्तीय अनियमितता का आरोप उच्च स्तरीय जांच की मांग

**साहिबगंज/उधवा :** जिले के उधवा प्रखंड अंतर्गत राधानगर पंचायत के पूर्व मुखिया तलामय सोरेन ने पंचायत में कथित वित्तीय अनियमितताओं और पद के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए उपायुक्त साहिबगंज मुख्य सचिव झारखंड तथा लोकायुक्त रांची को एक शिकायत पत्र सौंपा है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने तथा संबंधित पंचायत की वित्तीय शक्तियों पर रोक लगाने की मांग की है। पूर्व मुखिया ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अचिंत मंडल द्वारा पंचायती राज व्यवस्था के नियमों की अनदेखी करते हुए सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय संसाधनों का मनमाने ढंग से उपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि पंचायत की नियमित कार्यकारिणी बैठकों का आयोजन नहीं किया जाता जबकि बिना आवश्यक प्रशासनिक एवं कार्यकारिणी स्वीकृति के योजनाओं पर सरकारी राशि खर्च की गई।शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि एक ही योजना का नाम बदलकर बार-बार राशि निकाली गई। जरूरतमंदों के बजाय कंबलों का वितरण कथित रूप से रिश्तेदारों के बीच किया गया और पंचायत भवन की मरम्मत, रंगाई और पेयजल व्यवस्था के नाम पर लाखों रुपये की निकासी बिना कार्य पूर्ण किए कर ली गई। इसके बावजूद बाद में उसी पंचायत भवन की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण पर पुनः सरकारी राशि खर्च किए जाने का भी उल्लेख किया गया है। पंचायत भवन में पेयजल व्यवस्था के लिए दोबारा अभिलेख खोलकर राशि निकाली गई। पेसा अधिनियम के तहत फर्जी विशेष ग्रामसभा आयोजित कर आदिवासी समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन किया गया। कई योजनाओं के अभिलेखों में ग्रामसभा की स्वीकृति, कार्यकारिणी की मंजूरी व भुगतान प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक दस्तावेज और फोटोग्राफ संलग्न नहीं किए गए। उन्होंने लोकायुक्त राज्य सरकार से मांग की है कि मामले की जांच जिला स्तर के वरीय अधिकारियों से कराई जाए। जो जांच पूरी होने तक पंचायत की वित्तीय शक्तियों को सीज किया जाए ताकि भविष्य में पंचायत में नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके।हालांकि इस संबंध में मुखिया प्रतिनिधि अचिंत मंडल अथवा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क नहीं होने के कारण उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है।

## 20 फरवरी तक पूरे भारत में भाजपा चलाएगी समरसता संकल्प अभियान : अनंत

**साहिबगंज :** संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650वे जयंती वर्ष पर पूरे भारत में देशव्यापी समरसता संकल्प अभियान 29 जुलाई आषाढ़ पूर्णिमा से 20 फरवरी 2027 माघ पूर्णिमा तक चलाया जाएगा।उक्त बाते राजमहल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अनंत ओझा ने कही।स्वामी विवेकानंद चौक स्थित विधायक आवास में बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम यादव के अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित किया गया। जिसमे पूर्व विधायक ने कहा कि संत गुरु रविदास किसी समाज के संत नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता के महान पथ प्रदर्शक है। 29 जुलाई को देश भर के मंदिरों में समरसता दीप महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत 51000 स्थानों से अधिक संख्या में मंदिरों में दीप प्रज्वलित किया जाएगा।वही 10 सितंबर तक संत गुरु रविदास कलश वंदन अभियान के तहत उनके जन्मस्थली का पवित्र मिट्टी से भरी टोलियों को 131 पवित्र कलश लेकर देश भर के 21000 कलश में स्थापित करके देशभर के राज्यों जिला ओर मंदिरों तक पहुंचाया जाएगा।वही 31 अगस्त तक संत संपर्क अभियान चलाया जाएगा।जिसमे साधु संतो महात्मा को सम्मानित किया जाएगा। 5 अक्टूबर से 5 नवंबर तक श्री गुरु रविदास महाराज समरसता यात्रा होगा। 26 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक श्री गुरु रविदास महाराज छात्रावास संपर्क अभियान चलाया जाएगा।जिसके तहत सभी छात्रावास में छात्रों से संवाद किया जाएगा।वही कार्यक्रम के लिए प्रदेश व जिला टोली में 4 सदस्यों की ओर मंडल स्तर पर तीन की टोली बनाई गई है।सभी को प्रशिक्षण दिया गया है।मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धर्मेंद्र कुमार,संजीव पासवान सहित अन्य थे।

# श्रावणी मेला शिवगादी धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिएजिला प्रशासन की सभी तैयारियां पूर्ण

संवाददाता

**साहिबगंज :** बरहेट प्रखंड स्थित प्रसिद्ध आस्था स्थल शिवगादी धाम में श्रावण मास के अवसर पर प्रारंभ होने वाले पवित्र मेले को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इसी क्रम में आज अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज श्री अमर जॉन आईन्द, प्रखंड विकास पदाधिकारी बरहेट श्री अंशु कुमार पांडे एवं अंचलाधिकारी साहिबगंज श्री बासुकीनाथ टुडू ने मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पेयजल व्यवस्था, शौचालय, विश्राम गृह, स्वच्छता, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था मूलभूत सुविधाओं का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं मेला समिति के सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करने का निर्देश दिए।अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि श्रावणी मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुगम

वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर मेला अवधि के दौरान निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराने और किसी भी प्रकार की असुविधा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिये।जिला प्रशासन श्रद्धालुओं से भी अपील करता है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से पूजा-अर्चना करें।किसी भी अपवाह पर ध्यान ना दें किसी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत जिला प्रशासन को दें। मेले को सफल व सुरक्षित बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

# नमामि गंगे घाट का दृश्य अत्यंत मनोहारी और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण दिखाई दिया

## गुरु पूर्णिमा पर नमामि गंगे घाट में गूंजा मां गंगा का जयघोष भव्य गंगा आरती से हुआ भक्तिमय हुआ

संवाददाता

**साहिबगंज :** विश्व प्रकृत्ति दिवस को लेकर गुरु पूर्णिमा के पूर्व पावन अवसर पर नमामि गंगे घाट साहिबगंज में भव्य एवं दिव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। दीपों की मनमोहक आभा वैदिक मंत्रोच्चार हर-हर गंगे जय मां गंगे के जयघोष से संपूर्ण घाट भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा आरती में सहभागिता कर मां गंगा का पूजन-अर्चन किया तथा देश समाज और परिवार की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की जिला गंगा समिति नगर परिषद तथा नमामि गंगे अभियान से जुड़े गणमान्य सदस्यों सहित अनेक गंगा श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में डॉ. रणजीत कुमार सिंह, पवन कुमार रोहित कुमार तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।गंगा आरती को भव्य व दिव्य स्वरूप प्रदान करने में आरती पुरोहित अजय पांडेय संजय पांडेय और विजय पांडेय की महत्वपूर्ण

भूमिका रही। वैदिक रीति-रिवाज, मंत्रोच्चार व श्रद्धा-भक्ति के साथ संपन्न हुई आरती के दौरान नमामि गंगे घाट का दृश्य अत्यंत मनोहारी और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण दिखाई दिया। जबकि डॉ. रणजीत ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा गुरु केवल अक्षर बोध ही नहीं कराते बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं। उनके आदर्शों पर चलकर ही व्यक्ति समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका निभा सकता है।उन्होंने विश्व प्रकृति दिवस पर उपस्थित श्रद्धालुओं से प्रकृति एवं गंगा संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा, प्रकृति की रक्षा और गंगा की सुरक्षा हमारी साझा जिम्मेदारी है। स्वच्छ, निर्मल अविरल गंगा का संकल्प तभी सफल होगा।जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इसमें सक्रिय सहभागिता निभाए।विश्व प्रकृति दिवस व गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आयोजित इस विशेष गंगा आरती ने साहिबगंज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संदेश दिया। श्रद्धालुओं की अपार आस्था और भक्ति से संपूर्ण घाट आध्यात्मिक वातावरण में डूब गया। इस आयोजन ने मां गंगा के प्रति जन-जन की श्रद्धा को और सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्वच्छ निर्मल व अविरल गंगा के संकल्प को भी नई मजबूती प्रदान की।

## ग्राम पंचायत विकास योजना को प्रभावी बनाने पर जोर

संवाददाता

**साहिबगंज/उधवा:** प्रखंड मुख्यालय स्थित बीपीआरसी भवन में बुधवार से ग्राम पंचायत विकास योजना जीपीडीपी को लेकर पंचायत स्तरीय सहजकर्ता दल एवं ग्राम पंचायत फैसिलिटेशन टीम जीपीएफटी के दूसरे बैच का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों और संबंधित कर्मियों को गांव की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार करने तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दक्ष बनाना है। प्रशिक्षण सत्र में प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सह मास्टर ट्रेनर हारून रशीद एवं डोली साहा ने मुखिया ग्राम रोजगार सेवक पंचायत सहायक स्थायी समिति के सदस्यों तथा फ्रंटलाइन कार्यकताओं को ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने की विस्तृत प्रक्रिया से अवगत कराया। प्रशिक्षकों ने बताया कि योजनाओं के निर्माण में ग्रामसभा की सक्रिय भागीदारी स्थानीय समस्याओं की पहचान विकास कार्यों की प्राथमिकता तय करना विभिन्न सरकारी योजनाओं का समन्वय तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से यह भी समझाया गया कि विकास योजनाओं का प्रारूप किस प्रकार तैयार किया जाए उन्हें संबंधित विभागों से स्वीकृति दिलाने की प्रक्रिया क्या है। योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए किन-किन पहलुओं पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। प्रशिक्षकों ने कहा कि सुदृढ़ एवं सहभागी योजना निर्माण से पंचायतों में विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता दोनों सुनिश्चित होंगी। इस अवसर पर प्रभारी जीपीएस संतोष कुमार सुमन पंचायत सचिव शिवराम मुर्मू, मोनिका मुर्मू, अब्दुस कुद्दूस शशि कपूर दुबे, उदय कुमार मंडल ओमप्रकाश साहा ग्राम रोजगार सेवक माउद आलमक्षजावेद इकबाल हफीजुर रहमान सहित बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

# संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

संवाददाता

**साहिबगंज/उधवा :** राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत कुसमा गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में अचेत मिले एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान अमानत गांव निवासी अकीरुद्दीन शेख के 28 वर्षीय पुत्र नजमुल शेख के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हैं, जबकि परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए हत्या की आशंका जताई है।परिजनों ने बताया कि मंगलवार की सुबह नजमुल शेख अपनी मोटरसाइकिल से घर से निकला था। दोपहर में सूचना मिली कि वह कुसमा गांव में अचेत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में उसे पश्चिम बंगाल के मालदा सदर अस्पताल ले गए जहां उपचार के दौरान बुधवार

तड़के उसकी मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि जब नजमुल को घटनास्थल से उठाया गया।तब उसकी मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन गायब थे। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि वह अमानत गांव से कुसमा कैसे पहुंचा उसके साथ क्या घटना घटी और उसका सामान कहां चला गया। इन सभी बिंदुओं को लेकर परिजन गहन जांच की मांग कर रहे हैं। मृतक नजमुल शेख अमानत गांव में सीएसपी ग्राहक सेवा केंद्र का संचालन करता था। उसकी असामयिक मौत से पूरे इलाके में शोक का माहौल है।और स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना पुलिस ने बताया कि इस मामले में राधानगर थाना में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

# पूर्व मंत्री ने पाकुड़-बरहरवा एनएच-133ए की मरम्मती को लेकर किया निरीक्षण

संवाददाता

**साहिबगंज :** साहिबगंज और पाकुड़ जिले का लाइफ लाइन कहे जाने वाली पाकुड़ बरहरवा एनएच 133 ए का मरम्मत होगा, जिसे लेकर के बुधवार को झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने पदाधिकारियों के साथ एनएच-133ए लिंक पथ का निरीक्षण किया। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने बताया कि पाकुड़-बरहरवा मुख्य पथ कई स्थानों पर जर्जर है वहां पर जल जमाव हो जा रहा है इसके मरम्मती की अत्यंत आवश्यकता है. साथ ही केंचुआ पुल से भीमपाड़ा तथा श्रीकुंड से पलाशबोना तक संकीर्ण रास्ते में लोगों को आवागमन में काफी परेशानी होती है. इसे लेकर यहां गार्डवाल बनाने का पहल किया जायेगा. कहा कि सड़क के मरम्मती के बाद पलाशबोना, कोटालपोखर, श्रीकुंड, बरहरवा

के कुछ स्थानों पर जर्जर सड़क से मुक्ति मिलेगी तथा गार्डवाल बनने से संकीर्ण रास्ते में दोनों ओर से वाहनों का आवागमन सही तरीके से हो सकेगा व जाम से निजात मिलेगी. विभागीय अधिकारियों को यथाशीध्र डीपीआर बनाकर भेजने का निर्देश दिया गया है. साथ ही बताया कि इस सड़क का मेंटनेंस अभी खत्म हो गया है. इस कारण पूर्व के संवेदक से मरम्मती नहीं करायी जा सकती है. नये सिरे से मरम्मती को लेकर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये हैं. हमारी गठबंधन की सरकार झारखंड में सभी जर्जर सड़कों को दुरूस्त कर रही है तथा दुर्गम इलाकों में भी सड़क का जाल बिछा रही है. उन्होंने कहा कि पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की हर एक सड़क पर हमारी नजर है जो सड़क जर्जर है उसकी मरम्मत होगा मौके पर एनएच के सहायक अभियंता राकेश भगत, कनीय अभियंता देव सोरेन, विक्टर बेसरा मौजूद रहे

# छात्रा ने दुपट्टा से फांसी लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता

**साहिबगंज :** नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिचला टोला ज्ञानदा गली निवासी संजय कुमार रजक की 21 वर्षीय पुत्री साहिबगंज कॉलेज बीए सेमेस्टर-2 की छात्रा नमिता कुमारी ने अपने घर में एक कमरे में दुपट्टा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजन ने पुलिस को इसकी सूचना दी।पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर छानबीन कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के पिता डक व्हाइट दुकान संचालक संजय कुमार रजक ने बताया कि सुबह नौ बजे घर में पुत्री को उठने को आवाज दिया तो नहीं उठी।इसके बाद चाय पीकर दुकान चला गया।दोपहर लगभग दो बजे छोटा भाई ने फोन करके सूचना दी कि पुत्री ने फांसी लगा ली है।उन्होंने घर पहुंच इसकी सूचना पुलिस को दी।मृतक के चाचा ने बताया कि भतीजी की मां व अन्य सदस्य रिलेटिव के यहां किसी कार्य के लिए गये थे।वापस घर आया तो देखा तो अभी तक नहीं उठी है तो छोटी बहन ने आवाज दी।दरवाजा नहीं खुला तो खिड़की खोलकर देखा तो दुपट्टे से लटकी हुई मिली।पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।वही मेडिकल बोर्ड में शामिल तीन चिकित्सक डॉ मुकेश कुमार डॉक्टर अंकित कुमार एवं महिला चिकित्सक डॉ पूनम कुमारी ने युवती के शव का पोस्टमार्टम किया।

# युवक ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

**साहिबगंज/बरहरवा :** थाना क्षेत्र के झिकटिया प्रोफेसर कॉलोनी में 46 वर्षीय राकेश राय पिता-रामइकबाल सिन्हा द्वारा फाँसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है।मिली जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार की रात की है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि शाम को लगभग 8:00 पीएम बजे बच्चों और पत्नी के साथ बाजार गए मोबाइल दुकान में नया मोबाइल खरीदे,बच्चों के लिए जूते खरीदे और सामान्य तरीके से लोगों से बातचीत भी की,फिर अचानक घर आकर इतना बड़ा कदम उठाना आश्चर्यजनक है।जबकि घर में पत्नी और बच्चे मौजूद थे। वहीं पत्नी सोनी का कहना है कि रात लगभग 11:30 बजे खाना वाना खाकर बच्चों को सुलाने उनके कमरे में चली गई,और राकेश दूसरे कमरे में थे जैसे उस कमरे में पहुँची राकेश पँखे से फंदा लगाकर लटके हुए थे फिर उसे बचाने का प्रयास करने लगी लेकिन शरीर का वजन भारी होने के कारण संभाल नहीं पाई।आनन फानन में पड़ोसी को फोन करके बुलाई।फिर बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी

थी।घटना की जानकारी मिलते ही बरहरवा थाना पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुँच कर छानबीन शुरू कर दी है।इधर मृतक के भाई मुकेश रॉय ने बताया कि मंगलवार रात्रि लगभग 10:30 पीएम बजे मोबाइल पर राकेश से अच्छे तरीके से बातचीत हुई ,बिल्कुल सामान्य ढंग से बातचीत हुई थी।फिर कुछ घण्टे बाद राकेश की पत्नी ने वीडियो कॉल पर घटना को लेकर जानकारी दी।बताते चले कि मृतक राकेश मूल रूप से पटना बिहार के निवासी है जो बरहरवा में लगभग 13 वर्षो से किराये के मकान में रह रहे थे ,बीते दो वर्ष पूर्व प्रोफेसर कॉलोनी में नया घर बनाकर अपनी दूसरी पत्नी सोनी देवी व दो बच्चों के साथ रह रहे थे। एवं बाकुडीह के स्टोन कम्पनी में काम करते है।

परिजनो के अनुसार मृतक राकेश राय की पहली पत्नी पटना में दो बच्चों एक लड़का और एक लड़की के साथ रहती है।काफी वर्षों पूर्व पहली पत्नी से तलाक हो चुका है।घटना के बाद गाँव में मातम पसरा है व परिजनों और बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है।वहीं बरहरवा थाना पुलिस शव को कब्जे में लेकर विधिवत पोस्टमॉर्टम के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है।पोस्टमॉर्टम के बाद ही सारी चीजें स्पष्ट हो पाएगी।

# अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास, भावुक संदेश में कहा- 'हर शुरूआत का एक अंत होता है'

**नई दिल्ली :** भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने बुधवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद टेस्ट बल्लेबाजों में शामिल रहाणे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर अपने 20 वर्षों से अधिक लंबे क्रिकेट सफर को विराम देने का फैसला सुनाया। अपने संदेश में रहाणे ने कहा, ₹ज़िंदगी की सच्चाई यही है कि हर शुरूआत का एक अंत होता है। जब वह समय आता है तो उसका सम्मान करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। बल्लेबाजी में मैंने हमेशा सही टाइमिंग पर भरोसा किया और उसकी अहमियत को समझा। आज मुझे लगता है कि आगे बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सहित खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का यही सही समय है। उन्होंने कहा, ₹डोंबिवली से एक छोटे लड़के के रूप में अभ्यास करने के लिए सफर करने से लेकर भारत की टोपी पहनने तक, मैंने इस खेल को अपना सब कुछ दिया। हर दिन, हर पारी और बल्लेबाजी का हर मौका मेरे लिए भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना था। मैंने हमेशा एक सिद्धांत अपनाया कि देश और टीम हमेशा मुझसे ऊपर रहेंगे। मैंने पूरी ईमानदारी से क्रिकेट खेला और हमेशा विश्वास किया कि यदि आपकी नीयत सही हो तो खेल आपका साथ देता है। रहाणे ने भारतीय क्रिकेट से मिले अनुभवों को याद करते हुए कहा, ₹प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से पिछले 20 वर्षों में भारतीय क्रिकेट ने जबरदस्त प्रगति की है और उसका हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा अध्याय भले समाप्त हो रहा हो, लेकिन खेल के साथ मेरी यात्रा खत्म नहीं हुई है। अब मैं अगली पीढ़ी की मदद करना चाहता हूं, उन्हें इस खेल से सीखे गए मूल्य देना चाहता हूं और क्रिकेट को कुछ लौटाना चाहता हूं, जिसने मुझे सब कुछ दिया।₹ उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), मुंबई क्रिकेट संघ, अपने साथियों, कोचों, आईपीएल फ्रेंचाइज़ियों, पत्नी राधिका, परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ₹मेरे करियर में जीत भी मिली और हार भी, गलतियां भी हुईं, लेकिन एक जगह मैं कभी नहीं हारा और वह आप सभी के दिल थे। आपने हमेशा मुझे अपना माना। आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद। कैप नंबर 278, अब विदा लेता हूं।

### यादगार रहा रहाणे का करियर

अजिंक्य रहाणे का क्रिकेट सफर मुंबई से शुरू हुआ, जहां उन्होंने अपने दूसरे रणजी ट्रॉफी सत्र में 1,000 से अधिक रन बनाकर राष्ट्रीय चयनकताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने 2013 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और जल्द ही डरबन तथा वेलिंगटन में शानदार पारियों से खुद को स्थापित कर लिया। 2014 में लॉर्ड्स टेस्ट में खेली गई उनकी 103 रन की पारी भारत की 28 वर्षों बाद उस ऐतिहासिक मैदान पर पहली जीत की नींव बनी।

**शाहिद कपूर की जिस फिल्म के लिए कृति ने छोड़ी अक्षय की पिक्चर**

# वो बनीं नहीं?

**कृति सेनन 37 साल की हो गई हैं. इस मौके पर हम आपको बता रहे हैं कि कैसे शाहिद कपूर की एक फिल्म के लिए कृति ने अक्षय कुमार की सक्सेसफुल फिल्म को ठुकरा दिया था.**

**बॉलीवुड** एक्ट्रेस कृति सेनन ने बेहद कम वक्त में ही इंडस्ट्री में अपनी जगह मजबूत कर ली है. कृति को उन एक्ट्रेसेस में शुमार किया जाता है, जो ग्लैमरस रोल के साथ साथ दमदार किरदारों में भी जान भर देती हैं. हाल ही में वो शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ 'कॉकटेल' के सीक्वल 'कॉकटेल 2' में नजर आई थीं. फिल्म में उनका किरदार बेहद बोल्ड था, जिसकी वजह से वो खूब सुर्खियों में रहीं. कृति की पिछली कई फिल्में कामयाब रही हैं, पर क्या आप जानते हैं कि कृति ने एक ऐसी फिल्म के लिए अक्षय कुमार की हिट फिल्म को छोड़ दिया था, जो कभी फिल्म के तौर पर बनी ही नही? नहीं, तो चलिए आपको बताते हैं.

बात 2014 की है. उस वक्त राज एंड डीके (राज निदिमोरु और कृष्ण डीके) शाहिद कपूर, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और कृति सेनन के साथ 'फर्जी' नाम की फिल्म बनाने वाले थे. फिल्म को लेकर पूरी तैयारी भी थी. रिपोर्ट्स की मानें तो कृति को जब इस फिल्म का ऑफर मिला था, तो उनके पास अक्षय कुमार की फिल्म 'सिंह इज ब्लिंग' का भी ऑफर था. राज एंड डीके की 'फर्जी' के लिए कृति ने अक्षय कुमार की फिल्म को ठोकर मार दी.

### नहीं बन पाई फिल्म 'फर्जी'

'फर्जी' को लेकर साल 2014 में कई तरह की रिपोर्ट्स आया करती थीं. जब फिल्म के डब्बा बंद होने की खबरें आईं तो दिसंबर 2014 में राज निदिमोरु ने एक बयान में कहा था कि ये सब कोरी अफवाह है. उन्होंने बताया था कि फिल्म ट्रैक पर है और वो प्री-प्रोडक्शन पर काम कर रहे हैं. हालांकि वक्त बीतता गया और फिल्म बनने की उम्मीदें धुंधली पड़ती चली गईं. करीब 9 साल बाद यानी 2023 में शाहिद के साथ ही राज एंड डीके ने 'फर्जी' को वेब सीरीज में बना दिया. पर सीरीज से नवाजुद्दीन और कृति गायब रहे.

# Bigg Boss 20 में होगी कॉमेडियन सुनील पाल की एंट्री?

बिग बॉस 20 के कंटेस्टेंट्स की लिस्ट अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन पिछले महीने से ही इंटरनेट पर कई संभावित नामों की चर्चा हो रही है. शो के मेकर्स इस साल सभी छह भाषाओं के सीजन एक साथ लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं.

सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले रियलिटी शो में से एक Bigg Boss टीवी पर वापसी के लिए तैयार है. इस शो के 20वें सीजन के ऐलान के साथ ही बड़ा अपडेट सामने आया है. Bigg Boss 19 की सफलता के बाद, 20वें सीजन से काफी उम्मीदें हैं. जैसे-जैसे नए सीजन की चर्चा तेज हो रही है, उसके साथ ही कंटेस्टेंट के नामों को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है. मशहूर कॉमेडियन सुनील पाल का नाम सामने आया है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, Bigg Boss 20 में कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल होने के लिए सुनील पाल से संपर्क किया गया है.

**इंतजार खत्म!**

# आ गई Batwara 1947 के ट्रेलर की रिलीज डेट

आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म बंटवारा 1947 इस वक्त इंडियन सिनेमा की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक है। फिल्म के ऐलान के बाद से ही इसे लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के दमदार पोस्टर्स और अब तक आए दो शानदार टीजर इसकी इमोशनल कहानी की झलक दिखा चुके हैं। भारत के बंटवारे जैसे दर्दनाक दौर पर बनी यह फिल्म प्यार, त्याग और हिम्मत की एक दिल छू लेने वाली कहानी लेकर आ रही है।

### कब होगा ट्रेलर रिलीज

सनी देओल ने हाल ही में सोशल मीडिया पर बताया कि बंटवारा 1947 का ट्रेलर कल यानी 28 जुलाई को रिलीज होने जा रहा है। कल ट्रेलर रिलीज होने से पहले सनी देओल ने सोशल मीडिया पर अपनी मां प्रकाश कौर के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की। उन्होंने अपनी मां को अपनी सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ा सहारा बताया। साथ ही बंटवारा 1947 को अपनी मां और दुनिया की हर मां को समर्पित करते हुए उनके बेपनाह प्यार, हिम्मत और अनगिनत त्याग को सलाम किया।

# एक साथ 2 नेशनल अवॉर्ड जीतने पर अब धनुष ने तोड़ी चुप्पी

**साउथ** फिल्मों के सुपरस्टार धनुष की फैन फॉलोइंग हिंदी ऑडियंस के बीच भी अच्छी-खासी है. एक्टर ने कई फिल्मों में काम किया है. लेकिन साउथ में उनका अलग ही बोलबाला है. साल 2024 में उन्होंने 1 नहीं बल्कि 2-2 नेशनल अवॉर्ड जीतकर कमाल कर दिया था. हालांकि उन्हें ट्रोल भी होना पड़ा था. अब उन्होंने इसपर रिएक्ट किया है. साउथ सुपरस्टार धनुष ने अपने करियर में कई सारे अवॉर्ड्स जीते हैं. वे अपने करियर में कुल 6 नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं. साउथ सुपरस्टार ने अपने शानदार अभिनय से फैंस का दिल भी जीता है. लेकिन 2024 में जब धनुष को 2-2 बार नेशनल अवॉर्ड के लिए चुना गया तो उस दौरान उन्हें काफी ट्रोल्स का सामना भी करना पड़ा था. तब एक्टर ने इसपर ज्यादा रिएक्ट नहीं किया था. अब धनुष ने 2024 में मिले नेशनल अवॉर्ड पर अपनी प्रतिक्रिया दी है.

कई हिट फिल्मों में नजर आ चुके धनुष का ऐसा खुद मानना है कि उस साल और भी कई फिल्में ऐसी थीं जिन्हें नेशनल अवॉर्ड के लिए चुना जा सकता था. साथ ही उन्होंने फैंस से ये रिक्वेस्ट भी की है कि उन्हें जो अवॉर्ड मिला उसे उन्हें सेलिब्रेट करना चाहिए. साल 2024 में रायन और कैप्टन मिलर फिल्म के लिए धनुष को नेशनल अवॉर्ड मिला था.

**निहारिका एनएम का खुलासा**

# इंटीमेट सीन के चक्कर में हाथ से गई फिल्म

निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से बॉलीवुड डेब्यू करने को तैयार हैं। इस बीच उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। कंटेंट क्रिएटर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाली निहारिका एनएम ने साल 2023 में अमेरिकी सिटकॉम 'बिग माउथ सीजन 7' में गेस्ट वॉइस रोल के साथ अपने करियर को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाया। उनके एक्टिंग सफर की शुरुआत पिछले साल तमिल फिल्म 'पेरुसु' से हुई थी। इसके बाद उन्होंने 'मित्रा मंडली' और 'इधयम मुरली' में भी काम किया। अब वे बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं। निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में बोहनी कर रही हैं। वे राघव जुयाल के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। कॉमेडी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में राघव जुयाल लीड रोल में हैं और निहारिका उनकी लव-इंटरेस्ट के रोल में हैं। फिल्म 30 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस बीच अभिनेत्री ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इंटीमेसी क्लॉज की वजह से उन्हें एक फिल्म से हाथ धोने पड़े थे। वे बोल्ड सीन करने के तैयार नहीं थीं। निहारिका का कहना है कि उनके लिए फिल्मी सफर आसान नहीं था। उन्हें कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा।

### हीरो की शर्त के चक्कर में छोड़नी पड़ी फिल्म

निहारिका के मुताबिक, 'मुझे रिजेक्ट किए जाने के कई कारण थे। अब सोचने पर यह सब बहुत मजेदार लगता है'। एक घटना को याद करते हुए वे बताती हैं, 'एक फिल्म मुझे करनी थी। इसे एक बहुत बड़े डायरेक्टर बना रहे थे। उन्होंने मुझे खुद चुना था। मैंने उस रोल के लिए ऑडिशन दिया था और लुक टेस्ट भी हो गया था'। निहारिका ने आगे कहा, 'मेरे घर पर कॉन्ट्रैक्ट भेजा गया था और मैंने उस पर साइन कर दिया। उसमें इंटीमेट सीन से जुड़ी एक शर्त थी और मैंने उन्हें बता दिया था कि मैं ऑन-स्क्रीन इंटीमेसी करने में सहज नहीं हूं। वे इसके लिए तैयार थे और बॉडी डबल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे। लेकिन एक्टर बॉडी डबल के साथ वह सीन करने के लिए तैयार नहीं थे। उनकी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। यह उनका फैसला था। फिर स्थिति ऐसी बन गई कि या तो यह करो या वह'। इसके बाद उन्होंने वह फिल्म छोड़नी पड़ी।

### मुंबई में शुरुआती सफर कैसा रहा?

निहारिका एनएम ने मायानगरी में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात की। फिल्मों में आने के बारे में न्यूज18 से बातचीत में उन्होंने बताया, 'जब मैं तीन-चार साल पहले मुंबई आई थी, तो मैंने एक प्रोडक्शन हाउस के साथ तीन साल तक ट्रेनिंग की थी। मैं फिल्म स्कूल गई थी और मेरा थिएटर का बैकग्राउंड भी है। वे आगे कहती हैं, 'मैं एक्टिंग में हाथ आजमाना चाहती थी। मुझे नहीं पता था कि यह कहां तक जाएगा या मैं असल में क्या करना चाहती हूं। बस इतना पता था कि मुझे इसमें मजा आता है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं'। हालांकि, बाद में उन्होंने बॉलीवुड में करियर बनाने का विचार छोड़ दिया और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में ऑडिशन देने पर फोकस किया। इसके पीछे की वजह उन्होंने हिंदी सिनेमा में अवास्तविक ब्यूटी स्टैंडर्ड्स को बताया।

### इस बात का अब तक है अफसोस

निहारिका ने कहा, 'मैंने पहले हिंदी फिल्मों में कोशिश की थी, लेकिन मुझे महिलाओं के लिए तय किए गए मानक पसंद नहीं आए। जैसे कि उन्हें कैसा दिखना चाहिए या उनकी स्किन टोन कैसी होनी चाहिए'। निहारिका कहती हैं, 'मुझे लगा कि यह वह जगह नहीं है, जहां मुझे मुकाबला करना चाहिए। यह बहुत भीड़-भाड़ वाली जगह भी थी'। इसके बाद उन्होंने कार्तिक सुब्बाराज के प्रोडक्शन हाउस, 'स्टोन बेंच फिल्म्स' के साथ तीन फिल्मों का करार किया। निहारिका बताती हैं, 'लेकिन उनके साथ ट्रेनिंग के दौरान, मैंने साउथ की कुछ बहुत अच्छी फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त कमाई की। मुझे तो यकीन ही नहीं हुआ। मैं कॉन्ट्रैक्ट से बंधी हुई थी। मुझे इसका बहुत अफसोस रहेगा, लेकिन जिन लोगों ने वे फिल्में कीं, उनके लिए मैं खुश हूं। फिर, एक बार जब कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया, तो मुझे कोई रोक नहीं पाया। फिर तो मैंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में जमकर काम किया'।

**नमन शॉ का चौंकाने वाला खुलासा; कहा- 'उनकी वजह से मुझ पर सवाल उठे'**

# 'राम कपूर की आदत है लोगों को किस करने की'

**राम** कपूर इन दिनों रियलिटी शो 'लॉकअप सीजन 2' में नजर आ रहे हैं। यहां उनके व्यवहार को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। खासकर साथी प्रतिभागियों को किस कर देने की आदत के चलते उनकी काफी आलोचना हुई है। इस बीच अभिनेता नमन शॉ ने राम कपूर को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया। अभिनेता ने कहा कि वे भी राम कपूर का ऐसा व्यवहार झेल चुके हैं और इसके चक्कर में उनकी सेक्सुअलिटी पर सवाल उठ गए थे।

### क्यों उठे थे नमन शॉ पर सवाल?

52 वर्षीय राम कपूर की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। इसकी वजह है, 'लॉकअप 2' में अपने साथी कंटेस्टेंट्स, खासकर महिलाओं को उनका किस करना। इस बीच हाल ही में नमन शॉ ने भी 'टाइम्स ऑफ इंडिया' को दिए एक हालिया इंटरव्यू में चौंकाने वाला खुलासा किया। राम के साथ 'कसम से' में काम करने वाले नमन शॉ ने बताया कि कैसे सेट पर राम के उन्हें किस करने की वजह से वर्षों तक उनकी सेक्सुअलिटी को लेकर अटकलें लगाई जाती रहीं।

### राम ने कर दी थी ऐसी 'हरकत'

नमन ने बताया कि राम की लोगों को किस करने की 'आदत' है। अभिनेता को इससे भी फर्क नहीं पड़ता कि सामने लड़का है या लड़की। उन्होंने साल 2006 का किस्सा याद किया। उन्होंने बताया कि एकता कपूर के टीवी शो 'कसम से' के सेट पर मीडिया से बातचीत के दौरान एक पत्रकार आया था, क्योंकि शो बहुत पॉपुलर हो रहा था। वैनिटी वैन के अंदर राम का इंटरव्यू लेते समय पत्रकार ने पूछा कि को-स्टार के तौर पर नमन के बारे में उनकी क्या राय है? जवाब में, राम कपूर ने नमन को पास खींचा, उनके गाल पर किस किया और कहा, 'मुझे नमन बहुत पसंद है। वह एक बेहतरीन एक्टर है'।

# सावन के प्रथम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ का किया जलाभिषेक

- कालभैरव मंदिर में भी किया दर्शन-पूजन
- बाबा से प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और लोककल्याण की कामना, श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए दिया दिशा–निर्देश

एजेंसी

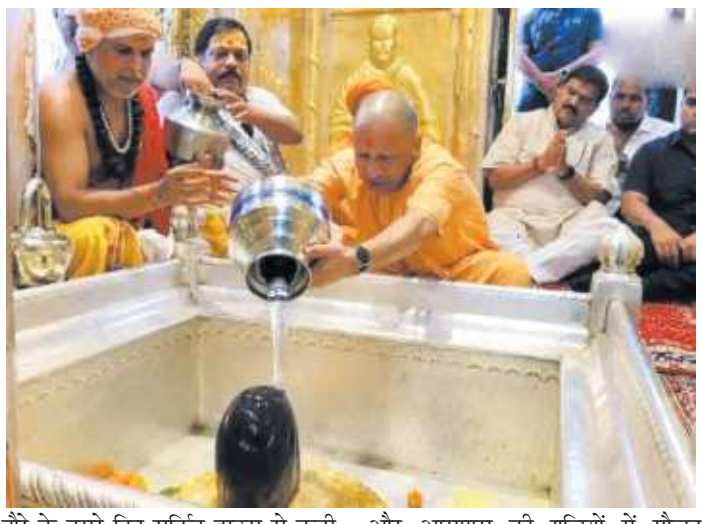

**वाराणसी :** श्रावण मास के पहले दिन गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया। इससे पूर्व उन्होंने काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन कर प्रदेश और देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि तथा लोककल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दूसरे दिन सर्किट हाउस से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बाबा कालभैरव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में मौजूद श्रद्धालुओं ने उनका ₹हर-हर महादेव₹ के जयघोष के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और स्थानीय दुकानदारों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी भी ली। इस दौरान उन्होंने एक दुकान पर बैठे बच्चे को स्नेहपूर्वक चॉकलेट भेंट कर दुलार भी किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर षोडशोपचार विधि से बाबा विश्वनाथ का पूजन-अर्चन किया तथा पावन ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक किया। उन्होंने प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री के मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने ₹हर-हर महादेव₹ के उद्घोष से पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया।

श्रावण मास में बड़ी संख्या में उमड़ने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सावन के दौरान दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन, सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाएं, ताकि सभी भक्तों को व्यवस्थित और सहज दर्शन का लाभ मिल सके।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि श्रावण मास में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए धाम में पेयजल, ग्लूकोज, ओआरएस, स्वास्थ्य सहायता केंद्र, हेल्प डेस्क तथा प्रभावी भीड़ प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी प्रवास के पहले दिन बुधवार सायंकाल भी बाबा कालभैरव एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर जनकल्याण और प्रदेश की समृद्धि की कामना की थी। मंदिर में मुख्यमंत्री के दर्शन पूजन को लेकर सुरक्षा के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए थे।

## हिमाचल प्रदेश के सात जिलों में फ्लैश फ्लड का खतरा, 5 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी

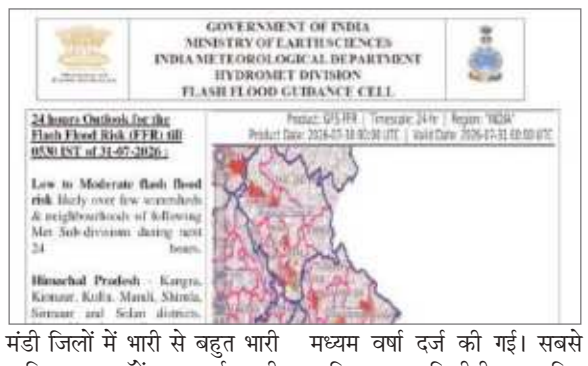


**शिमला:** हिमाचल प्रदेश में मानसून के अगले कई दिनों तक सक्रिय रहने का अनुमान है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश की संभावना जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग के फ्लैश फ्लड गाइडेंस सेल ने अगले 24 घंटे, यानी 31 जुलाई सुबह 5:30 बजे तक राज्य के सात जिलों में कम से मध्यम स्तर के फ्लैश फ्लड का जोखिम बताया है। जिन जिलों के लिए यह चेतावनी जारी की गई है उनमें कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर और सोलन शामिल हैं। विभाग के अनुसार इन जिलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और निचले इलाकों में अचानक पानी बढ़ने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में लोगों से नदी-नालों और खड्डों के किनारे जाने से बचने तथा मौसम की ताजा जानकारी पर नजर रखने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने आज गुरुवार के लिए भी कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। चंबा, कांगड़ा और मंडी जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं कुल्लू, शिमला, सिरमौर और किन्नौर जिलों के लिए येलो अलर्ट रहेगा। विभाग का कहना है कि राज्य में 5 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है और इस अवधि के लिए येलो अलर्ट प्रभावी रहेगा। लगातार बारिश के कारण भूस्खलन, चट्टानें गिरने और निचले क्षेत्रों में जलभराव की आशंका बनी रहेगी। राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में गुरुवार सुबह से बादल छाए रहे और कुछ जगह हल्की बारिश भी हुई। पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश में बारिश की तीव्रता पहले के मुकाबले कम रही और अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। सबसे अधिक 51 मिलीमीटर बारिश सोलन जिले के कसौली में हुई। इसके बाद शिमला जिले के सराहन में 32.5 मिलीमीटर, बिलासपुर के नैना देवी में 26 मिलीमीटर, मंडी जिले के कटौला में 23 मिलीमीटर, जोगिंदरनगर में 20 मिलीमीटर और किन्नौर के निचार में 17 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। हालांकि बारिश कम होने से लोगों को कुछ राहत मिली है, लेकिन पिछले दिनों हुई लगातार वर्षा का असर अब भी बना हुआ है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में भूस्खलन और अन्य कारणों से अभी भी करीब 150 सड़कें बंद हैं, जिससे कई क्षेत्रों में आवाजाही प्रभावित हो रही है।

## श्रावण मास में आस्था का प्रमुख केंद्र है प्रयागराज स्थित प्राचीन ब्रह्मेश्वर महादेव मंदिर

- ब्रह्मा जी के प्रथम यज्ञ से जुड़ा है इस पवित्र स्थल का इतिहास
- दर्शन-पूजन से मिलती है विशेष पुण्यफल की मान्यता

एजेंसी

**प्रयागराज :** तीर्थराज प्रयाग के दारागंज क्षेत्र में गंगा तट के समीप स्थित प्राचीन ब्रह्मेश्वर महादेव (दशाश्वमेध) मंदिर श्रावण मास में श्रद्धालुओं की विशेष आस्था का केंद्र बना हुआ है। मान्यता है कि इसी स्थान पर सृष्टिकर्ता ब्रह्मा ने अपना प्रथम यज्ञ संपन्न किया था तथा यज्ञ के उपरांत स्वयं भगवान शिव के ब्रह्मेश्वर स्वरूप शिवलिंग की स्थापना की थी। यही कारण है कि इस स्थान को दशाश्वमेध तीर्थ के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर के पुजारी ओम जी महाराज ने बताया कि दारागंज स्थित यह स्थल पुराणों में वर्णित अत्यंत प्राचीन और सिद्ध तीर्थ है। मत्स्य पुराण, पद्म पुराण, शिव पुराण तथा स्कंद पुराण में दशाश्वमेध तीर्थ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि जहां ब्रह्मा ने दश अश्वमेध यज्ञ किए, वही स्थान आगे चलकर दशाश्वमेध तीर्थ के रूप में प्रसिद्ध हुआ। उन्होंने बताया कि पुराणों के अनुसार यहां स्नान, जप, तप, दान, रुद्राभिषेक और भगवान ब्रह्मेश्वर महादेव का पूजन करने से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष–इन चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति होती है। विशेष रूप से विजयादशमी तथा श्रावण मास में यहां दर्शन-पूजन का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। पुजारी ओम जी के अनुसार श्रावण भगवान शिव का प्रिय मास माना जाता है। इस पूरे महीने देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु गंगाजल लेकर ब्रह्मेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने आते हैं। मान्यता है कि श्रावण में श्रद्धा और विधि-विधान से रुद्राभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प और गंगाजल अर्पित करने से भगवान शिव भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं तथा जीवन के कष्टों का निवारण होता है। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर के समीप स्थित प्राचीन यज्ञकुंड आज भी इस पवित्र स्थान की ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्ता का साक्षी है। गंगा तट पर स्थित होने के कारण यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान के बाद भगवान ब्रह्मेश्वर महादेव के दर्शन कर पूजा-अर्चना करते हैं। श्रावण मास में प्रातःकाल से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगती हैं। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहता है। स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ दूर-दराज से आने वाले शिवभक्त भी इस प्राचीन मंदिर में जलाभिषेक कर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। पुजारी ओम जी ने श्रद्धालुओं से श्रावण मास में इस प्राचीन शिवधाम में पहुंचकर भगवान ब्रह्मेश्वर महादेव का दर्शन-पूजन करने तथा तीर्थराज प्रयाग की इस प्राचीन धार्मिक विरासत से जुड़ने का आह्वान किया।

## जम्मू से बालटाल के लिए 1,795 अमरनाथ तीर्थयात्री रवाना

एजेंसी

**जम्मू :** अमरनाथ यात्रा के लिए 1,795 तीर्थयात्री गुरुवार तड़के जम्मू से बालटाल के लिए रवाना हुए। इस बीच बालटाल से 1,943 यात्री जम्मू लौटे । अधिकारियों ने बताया कि कड़ी सुरक्षा के बीच 1,795 लोगों को भगवती नगर यात्री निवास से बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना किया गया। पहलगाम रूट से आज किसी के भी यात्रा करने का कार्यक्रम नहीं है। संयुक्त पुलिस नियंत्रण कक्ष जम्मू के अनुसार 23वां जत्था तड़के 2:44 बजे 83 वाहनों के माध्यम से रवाना हुआ। इनमें 41 बसें, 11 मध्यम मोटर वाहन, 30 हल्के मोटर वाहन और एक दोपहिया वाहन शामिल है। जत्थे में 1,406 पुरुष और 389 महिला तीर्थयात्री शामिल हैं। तीर्थयात्रियों के साथ एस्कॉर्ट वाहन और एक एम्बुलेंस भी चल रही है। अधिकारियों के अनुसार, इस जत्थे के रवाना होने के साथ ही वार्षिक यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 1,34,201 हो गई है। इस बीच 1,943 तीर्थयात्रियों को लेकर लौटने वाला 22वां जत्था गुरुवार को बालटाल बेस कैंप से जम्मू के लिए रवाना हुआ। इनमें 1,413 पुरुष तीर्थयात्री, 392 महिला तीर्थयात्री, 12 बच्चे, 97 साधु और 29 साध्वियां शामिल हैं। पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर की सालाना तीर्थयात्रा सुचारू रूप से चल रही है। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे और बालटाल मार्ग पर सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट का कड़ा इंतजाम किया गया है।

## अहमदाबाद में तड़के भूकंप के हल्के झटके, रिक्टर स्केल पर 2.6 तीव्रता दर्ज

एजेंसी

**अहमदाबाद :** अहमदाबाद में गुरुवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। गांधीनगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआई) द्वारा जारी जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह 4:39 बजे रिक्टर स्केल पर 2.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र अहमदाबाद शहर से लगभग 29 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम दिशा में स्थित था। इसकी गहराई जमीन की सतह से करीब 20 किलोमीटर मापी गई, जिसके कारण कुछ इलाकों में हल्का कंपन महसूस हुआ। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि, घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। शुरूआती रिपोर्ट के अनुसार अहमदाबाद और आसपास के कुछ शांत क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने कुछ सेकंड तक हल्की धूजारी महसूस की, लेकिन अधिकांश लोगों को इसका एहसास भी नहीं हुआ। भूकंप विज्ञानियों के अनुसार 2.6 तीव्रता का भूकंप सामान्य श्रेणी में आता है और इससे आमतौर पर किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं रहती। फिर भी विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए। फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है और किसी तरह की चिंता की बात नहीं बताई गई है।

## स्टॉक मार्केट में इंडो एमआईएम की मजबूत एंट्री, आईपीओ निवेशकों को बंपर मुनाफा

एजेंसी

**नई दिल्ली :** प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी इंडो एमआईएम के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मजबूत एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 485 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 44.95 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 703 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 44.33 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 700 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर कुछ देर में ही 731.40 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि, बाद में इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी आई। दोपहर 12 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 729.55 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 244.55 रुपये यानी 50.42 प्रतिशत का फायदा हो चुका था। इंडो एमआईएम का 3,811.21 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 27 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 72.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 204.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 50.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.44 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 7,86,00,300 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 499.10 करोड़ रुपये के 1,03,09,278 नए शेयर और 3,311.21 करोड़ रुपये के 6,82,91,022 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। इंडो एमआईएम की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 283.73 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 423.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 533.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 2,900.38 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3,373.97 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4,320.70 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 1,085.01 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1,247.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ घट कर 1,090.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। इस अवधि में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 1,889.04 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2,030.81 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 2,573.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

## नोएडा में छत से गिरकर 20 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

**नोएडा :** नोएडा के थाना सूरजपुर क्षेत्र के लखनावली गांव में रहने वाले एक 20 वर्षीय युवक की छत से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में बीती रात को मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि जीशान पुत्र नादिर निवासी ग्राम मेहंदीपुर थाना मसूरी जनपद गाजियाबाद उम्र 20 वर्ष लखनावली गांव स्थित अपने एक परिचित के घर पर रुके हुए थे। वह बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में छत से नीचे गिर गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया ,जहां पर डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

## 18 घुसपैठियों को वापस भेजा, कार्रवाई हमेशा जारी रहेगी : मुख्यमंत्री

**गुवाहाटी :** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार बाढ़ की स्थिति के बीच लोगों के जीवन और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। साथ ही असम की पहचान और सुरक्षा की रक्षा के लिए भी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि घुसपैठ के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार की रात 18 घुसपैठियों को वापस भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि असम की अस्मिता और सुरक्षा को किसी भी खतरे से बचाने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि राज्य सरकार की सतर्कता से कोई समझौता नहीं होगा और घुसपैठ के खिलाफ अभियान 247 पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

## नोएडा : छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

**नोएडा :** नोएडा के थाना ईकोटेक-तीन क्षेत्र में एक छात्र ने अपने घर पर बीती रात बुधवार को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना ईकोटेक-3 के प्रभारी रंजीत कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि मूल रूप से नालंदा बिहार के रहने वाले रवि रंजन पटेल यहां कुलेसरा कॉलोनी में रहते हैं। इनका बेटा गौरव पटेल (१७) ग्रेटर नोएडा की एक स्कूल से 12वीं कक्षा का छात्र था। बीती रात छात्र गौरव ने अपने घर पर पंखे से फंदे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। इस सूचना के मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि छात्र ने आत्महत्या क्यों की इस बात का अभी पता नहीं चल सका है। मृतक डायरी लिखने का आदी था। उसके डायरी में लिखे शब्दों से यह पता चलता है कि वह कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था।

## जनहित संकल्प पार्टी के अध्यक्ष ने वाराणसी में चुनावी कार्यालय का किया उद्घाटन

**वाराणसी :** उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पूर्व ही जनहित संकल्प पार्टी ने वाराणसी में अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर दी है। जनहित संकल्प पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर.एस. पटेल ने जंसा में चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया है। गुरुवार को कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर डॉ. आर.एस. पटेल ने कहा कि जंसा के दिनदासपुर गांव में कार्यकताओं के लिए कार्यालय खोल दिया गया है। वाराणसी में रोहनिया और सेवापुरी, दो विधानसभाओं में पार्टी अपना प्रत्याशी उतार रही है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में हम प्रत्याशी उतरेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि इस पार्टी का लक्ष्य बेरोजगारों को रोजगार दिलाना है, किसानों को उनका अधिकार दिलाना है और समाज में बहन बेटी की सुरक्षा की मांग उठाना है। वाराणसी में किसानों की जमीन जहां भी छीनी जा रही है, हम उनके साथ खड़े हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अशोक पटेल, किसान मंच के जिलाध्यक्ष राम विकास, महिला मंच से शशिकला, युवा मंच के जिलाध्यक्ष मुन्ना लाल पटेल, सरदार सेना के जिलाध्यक्ष देव पटेल, जिला संयोजक अमन वर्मा, विनोद पटेल और कार्यालय प्रभारी महेंद्र वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## असम में बाढ़ से अभी भी सात जिले प्रभावित, तीन और लोगों की मौत

**गुवाहाटी :** असम में अभी भी सात जिले बाढ़े प्रभावित हैं। इस त्रासदी में तीन और लोगों की मौत हो गई। बाढ़ की विभिषिका के बाद अब नये सिरे से जीवन जीने के लिए जद्दोजहद शुरू हो गई है। बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित उपरी असम के चार जिलों शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट और गोलाघाट में राहत एवं बचाव कार्य सरकारी एवं निजी स्तर पर जोरशोर से चला रहा है। बावजूद इसके लोग अपने घरों में जा नहीं पा रहे हैं। बाढ़ ने सभी कुछ तबाह कर दिया है। बाढ़ का पानी लगातार घट रहा है, जिसके चलते घरों एवं विद्यालयों में घुटनों तक मिट्टी की गाद भर जाने से लोगों के सामने एक नई समस्या पैदा हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 29 जुलाई को जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य की सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। सरकार युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव के लिए सभी तरह के उपाय करने में जुटी हुई है। गोलाघाट में 1 एवं शिवसागर में 2 लोगों के शव बरामद हुए हैं। राज्य में मृतकों की कुल संख्या 78 हो गई है। बाढ़ प्रभावित सात जिलों में चराईदेव, गोलाघाट, शिवसागर, नगांव, बिश्वनाथ, जोरहाट एवं कामरूप (मेट्रो) जिला शामिल हैं। इन जिलों के 21 राजस्व मंडलों के कुल 551 गांवों की 300031 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 21523.08 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। सरकार ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए वर्तमान में कुल 71 राहत शिविर एवं 30 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 101 शिविर क्रियान्वित रखे हैं। राहत शिविरों में 16567 लोग आश्रय लिए हुए हैं। जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 72210 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। राज्य सरकार ने 108 मेडिकल टीमों को तैनात किया। इस दौरान 20 नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है। इसकी मरम्मत के लिए सरकार लगातार समीक्षा बैठक कर हालात का जायजा ले रही है। बाढ़ के चलते असम विधानसभा का बजट सत्र पूर्व निर्धारित समय से दो दिन पूर्व 29 जुलाई को ही समाप्त किया गया। विधानसभा का सत्र 31 जुलाई तक निर्धारित था।

## न्यूज IN ब्रीफ

### बच्चों की कलाकारी ने लोगों का दिल जीता

**संवाददाता :** रोलिंग स्टोन एकेडमी में ड्राइंग क्लास के बच्चे आए दिन एक से बढ़ कर एक चित्रकारी करते नजर आते है। प्रति रविवार को बच्चों के मन में कुछ अलग वा बेहतरीन करने की इच्छा जागृत होती है,वही कुछ बच्चे अपने क्रियाकलापों का चयन करते हैं पर ज्यादातर बच्चे चित्रकला में रुचि रखते है।

### चुरी परियोजना कल बंद करने की चेतावनी

**खलारी :** एनके क्षेत्र अंतर्गत सुभाष नगर के 35-40 बच्चों को डी ए वी पब्लिक स्कूल, खलारी तक सुरक्षित आवागमन के लिए बस सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर भारतीय मजदूर संघ - ठेका मजदूर संघ के बैनर तले बुधवार को सुबह 11 बजे एन के एरिया महाप्रबंधक कार्यालय, के समक्ष चेतवानी धरना प्रदर्शन किया गया बीएमएस असंगठित क्षेत्र के सचिव बिनोद विश्वकर्मा ने बताया कि सुभाष नगर क्षेत्र के लगभग 35 से 40 बच्चे
डी ए वी पब्लिक स्कूल, खलारी में पढ़ते हैं। विगत कई दिनों से सीसीएल द्वारा संचालित बस के मालिक द्वारा बच्चों को बस में नहीं बैठाया जा रहा है। बस मालिक का कहना है ₹ऊपर से आदेश है, की सुभाष नगर के बच्चों को नहीं ले जाना है₹इस कारण बच्चों का भविष्य खतरे में है और अभिभावकों को भारी आर्थिक एवं मानसिक परेशानी हो रही है। अन्य स्कुल बसों में बच्चों की अत्यधिक भीड़ के वजह से उन बसों में जा नही पाते है इससे पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा है।

### लोको स्थित राम मंदिर में साईं भगवान की हुई विशेष पूजा अर्चना

**जया आस्था :** लोको स्थित राम मंदिर प्रांगण में अवस्थित साईं मंदिर मे गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विशेष पूजा संपन्न हुई। मंदिर के पुजारी नित्यानंद पांडे ने विशेष आरती और पूजन किया, तथा भक्त जनों के बीच व्यापक रूप से प्रसाद का वितरण भी हुआ, इससे पूर्व संध्या बेला में राम मंदिर प्रांगण से साई भगवान की पालकी यात्रा निकाली गई जो शहर के विभिन्न क्षेत्रों का परिभ्रमण करते हुए देर शाम वापस मंदिर प्रांगण में पालकी यात्रा वापस पहुंची इस पालकी यात्रा में, काफी संख्या में महिला पुरुष भी शामिल थे, संध्या बेला में विशेष पूजा अर्चना और आरती के पश्चात, भक्त जनों के बीच प्रसाद का वितरण भी हुआ, गौरतलब हो कि, गुरु पूर्णिमा के दिन भक्त जनों और श्रद्धालुओं की व्यापक रूप से उपस्थित रही तथा मंदिर प्रांगण में सत्य नारायण भगवान की कथा भी संपन्न हुई।

### केतुंगा धाम में श्रावणी मेला का शुभारंभ

**बानो :** प्रखंड के प्रसिद्ध धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल केतुंगा धाम में भगवान भोलेनाथ की तपोभूमि पर आयोजित पवित्र श्रावणी मेला का विधिवत शुभारंभ गुरुवार, 30 जुलाई 2026 को प्रातः 6:45 बजे श्रद्धा एवं भक्तिभाव के वातावरण में किया गया। उद्घाटन समारोह वैदिक मंत्रोच्चार, शंख एवं घंटों की मंगलध्वनि, सामूहिक जलाभिषेक, दर्शन-पूजन तथा महाआरती के साथ संपन्न हुआ।
श्रावणी मेला के उद्घाटन अवसर पर केतुंगा धाम न्यास समिति एवं मानव धर्म रक्षक संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे मंदिर परिसर में हर-हर महादेव के जयघोष और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की।
उद्घाटन समारोह को लेकर केतुंगा धाम न्यास समिति द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई थीं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूजा-अर्चना, दर्शन एवं अन्य व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया।
समिति के अध्यक्ष सुकरा केरकेट्टा एवं महासचिव ओम प्रकाश साहू ने कहा कि श्रावणी मेला आस्था, श्रद्धा और धार्मिक परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सहभागिता से इस वर्ष भी मेला श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के माहौल में प्रारंभ हुआ है। उन्होंने पूरे श्रावण मास के दौरान अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से केतुंगा धाम पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का दर्शन-पूजन करने और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने की अपील की।
श्रावणी मेला के शुभारंभ के साथ ही केतुंगा धाम में पूरे श्रावण मास के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना का सिलसिला जारी रहेगा, जिसमें दूर-दराज क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

### पंच मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान का हुआ आयोजन

**रांचीः** वार्ड संख्या-36 स्थित अरगोड़ा पीपर टोली, नागड़ा ढीपा तारा नगर आवासीय परिसर के पंच मंदिर परिसर में बुधवार को गुरु पूर्णिमा एवं श्रावण मास के शुभ अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की और धार्मिक माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6 बजे हुआ। प्रधान पुजारी पंडित मणिकांत पाठक के आचार्यत्व में रुद्राभिषेक, श्री सत्यनारायण भगवान की कथा, नवग्रह पूजा, हवन एवं महाआरती विधि-विधान के साथ संपन्न कराई गई। मुख्य जजमान सहित तारा नगर आवासीय परिसर के सभी परिवारों ने सामूहिक रूप से पूजा में सहभागिता निभाई। धार्मिक अनुष्ठान पूर्वाह्न 11 बजे तक चले। शाम 4 बजे से मंदिर परिसर में महिला शक्ति भजन मंडलियों द्वारा भजन-संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान पंच देवों की आराधना की गई तथा विभिन्न भक्ति गीतों और भजनों की मधुर प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भजनों पर भावविभोर होकर भगवान का गुणगान करते रहे।
कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं, माता-बहनों, बुजुर्गों एवं बच्चों के बीच खीर का भोग, फल एवं महाप्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में तारा नगर आवासीय परिसर के सभी परिवारों का सराहनीय सहयोग रहा।

### चक्रधरपुर नगर परिषद बोर्ड बैठक

# सफाई व्यवस्था पर फूटा गुस्सा, कंपनी को अंतिम एक माह की मोहलत

**संवाददाता**

**चक्रधरपुर :** चक्रधरपुर नगर परिषद की बोर्ड बैठक परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शहर की मूलभूत समस्याओं, सफाई व्यवस्था और लंबित विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सुखराम उरांव एवं अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी शामिल हुए। बैठक में उपाध्यक्ष विजय कुमार साव, कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा तथा सभी वार्ड पार्षद मौजूद रहे। शुरूआत में अतिथियों का शॉल और गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया।
बैठक में वार्ड पार्षदों ने शहर में डोर-टू-

डोर कचरा उठाव नियमित नहीं होने और डंपिंग यार्ड निर्माण में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। सफाई कार्य कर रही एचिवर कंपनी के प्रतिनिधियों ने बताया कि नगर परिषद की ओर से करीब 18 माह का भुगतान बकाया है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है। कंपनी ने एक माह का समय मांगते हुए 1 से 30 अगस्त तक सफाई व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त करने का भरोसा दिया।
इस पर विधायक सुखराम उरांव और एसडीओ श्रुति राजलक्ष्मी ने लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश दिया। हालांकि बोर्ड ने कंपनी के अनुरोध पर उसे सुधार के लिए अंतिम एक माह का अवसर देने का निर्णय लिया। चेतावनी दी गई कि तय समय में व्यवस्था नहीं सुधरी तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।
बैठक में बताया गया कि बालू उपलब्ध नहीं होने से नगर परिषद की लगभग 110 विकास योजनाएं रुकी हुई हैं। डंपिंग यार्ड निर्माण के लिए बालू मिलते ही कार्य शुरू किया जाएगा। शहर के अधिकांश पुराने डस्टबीन खराब हो चुके हैं और 40 नए डस्टबीन की मांग विभाग को भेजी गई है। कचरा उठाने वाली मशीन की मरम्मत भी जल्द कराई जाएगी। वहीं शहर में लगभग 2000 स्ट्रीट लाइट की आवश्यकता बताई गई। अगले 15 से 20 दिनों में 800 से 1000 नई स्ट्रीट लाइट मिलने के बाद सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से उन्हें लगाया जाएगा।
नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने बताया कि 1 अगस्त से नगर परिषद का टोल-फ्री नंबर जारी किया जाएगा। इस नंबर पर नागरिक सफाई, पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट समेत अन्य समस्याओं की शिकायत दर्ज करा सकेंगे, जिनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

# लावालौंग में फूटा ग्रामीणों का गुस्सा सड़क-बिजली-नेटवर्क के लिए दिया धरना

### 15 अगस्त तक अल्टीमेटम, नहीं तो भूख हड़ताल और फिर होगा वोट बहिष्कार

**संवाददाता**

**चतरा :** वर्षों से सड़क, बिजली और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीणों का आक्रोश बुधवार को प्रखंड मुख्यालय में खुलकर सामने आया।सैकड़ों ग्रामीणों ने एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन, स्थानीय विधायक और सांसद से 15 अगस्त तक मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन, भूख हड़ताल और दोबारा वोट बहिष्कार की चेतावनी दी। धरना में शामिल ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान सड़क निर्माण, बिजली और मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही

जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र की सुध नहीं ली। उनका कहना था कि कई बार ज्ञापन सौंपने और वोट बहिष्कार जैसे आंदोलन करने के बावजूद सरकार और प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई। प्रदर्शनकारियों ने लावालौंगझापांकी सड़क के निर्माण को सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि जर्जर सड़क के कारण बरसात में कई गांवों का संपर्क प्रभावित हो जाता है। इससे मरीजों को अस्पताल पहुंचाने, विद्यार्थियों के स्कूल आने-जाने तथा आम लोगों के आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वहीं बिजली की अनियमित आपूर्ति और मोबाइल नेटवर्क की खराब स्थिति से लोगों का जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। धरना के दौरान ₹हमारी मांगे पूरी करो₹, ₹सांसद-विधायक झूठे वादे करना बंद करो₹ जैसे नारों से प्रखंड मुख्यालय गूंज उठा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि 15 अगस्त तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी। धरना में शंकर साहू, महमूद खान, नेमन भारती, छठू सिंह भोक्ता, सरजू यादव, भोला राम, मुकेश यादव, अंशु यादव सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

# पलामू में नहीं थम रही गोलीबारी, मेदिनीनगर में किशोर को लगी गोली

### अग्रसेन भवन के पास मचा हड़कंप

**मेट्रोरेज संवाददाता**

**मेदिनीनगर :** पलामू जिले में लगातार हो रही गोलीबारी की घटनाओं के बीच बुधवार को मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र में एक और फायरिंग की घटना सामने आई। शहर के नदी किनारे स्थित अग्रसेन भवन के पास हुई गोलीबारी में एक किशोर गोली लगने से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।
प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गोलीबारी की यह घटना आपसी रंजिश का परिणाम बताई जा रही है। घायल किशोर को तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों की निगरानी में उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।
घटना की सूचना मिलते ही शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा गोली चलाने वाले आरोपियों की पहचान और घटना के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है।
पलामू में हाल के दिनों में लगातार सामने आ रही गोलीबारी की घटनाओं ने कानून-व्यवस्था को लेकर लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ताजा घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज कर दी गई है।

# जहरीले करैत सांप के डसने से 6 वर्षीय मासूम की मौत, गांव में मातम

**सिमडेगा :** कुरडेग थाना क्षेत्र के सरईपानी रावणखोता गांव में बीती रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां जहरीले करैत सांप के डसने से आदिम जनजाति (कोरवा) समाज के एक छह वर्षीय इकलौते बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बच्चा रात में घर पर ही था, तभी उसे करैत सांप ने डस लिया। परिजन आनन-फानन में उसे इलाज के लिए कुरडेग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सा प्रभारी डॉ. दिलीप बेहरा ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

# लचरागढ़ में मनाया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव

**संवाददाता**

**लचरागढ़ :** वनवासी कल्याण केंद्र की शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति, रांची द्वारा संचालित विवेकानंद शिशु-विद्या मंदिर उच्च विद्यालय, लचरागढ़ में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा का अनुपम स्वरूप देखने को मिला, जहां विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों एवं अभिभावकों ने गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट की।
कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र साहू ने सृष्टि के गर्भस्थल 'ॐ', भारत माता, विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती

तथा वेदों के रचयिता महर्षि वेदव्यास की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर किया। इसके बाद विद्यालय के सभी आचार्य एवं छात्र-छात्राओं ने महर्षि वेदव्यास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।
इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों को खीर-पूरी खिलाकर उनका आशीर्वाद लिया। साथ ही लेखनी, अंगवस्त्र, धार्मिक पुस्तकें तथा महापुरुषों की जीवनियों की पुस्तकें भेंट कर गुरुजनों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के पूर्व छात्र एवं अभिभावक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। पूर्व छात्र कुलदीप सिंह ने सभी आचार्यों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया, जबकि अन्य पूर्व छात्रों एवं अभिभावकों ने रुमाल, लेखनी एवं मिष्ठान भेंट कर अपनी कृतज्ञता प्रकट की।
कार्यक्रम के दौरान आचार्य जगेश्वर सिंह, अर्जुन महतो, प्रमोद पाणिग्राही एवं आचार्या बिमला देवी ने महर्षि वेदव्यास के जीवन, उनके साहित्यिक एवं आध्यात्मिक योगदान तथा गुरु पूर्णिमा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।
समापन संबोधन में प्रधानाचार्य राजेंद्र साहू ने कहा कि ₹गुरु ही शिष्य के जीवन को सही दिशा, ज्ञान और संस्कार प्रदान करते हैं। गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे सदैव जीवित रखना हम सभी का दायित्व है।

### पलामू में एक ही परिवार पर खूनी हमला

# चाकूबाजी में घायल युवक की मौत, कोयल पुल जाम

**मेट्रोरेज संवाददाता**

**मेदिनीनगर :** पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के बंदुआ गांव में एक ही परिवार पर हुए जानलेवा हमले में घायल मकबूल मियां की इलाज के दौरान मौत हो गई। बुधवार शाम अज्ञात अपराधियों ने मकबूल मियां और सुलेमान मियां को गोली मार दी थी, जबकि शाहीना बीबी पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। तीनों को इलाज के लिए एमएमसीएच, मेदिनीनगर में भर्ती कराया गया था। मकबूल की मौत की खबर मिलते ही लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने शाहपुर स्थित कोयल पुल को जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने के साथ स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। वहीं, घायल पिता और मां का इलाज जारी है। पुलिस घटना के कारणों की जांच करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।प्रशासन के आश्वासन के बाद जाम को हटा दिया गया है।

### मां गंगा का विधिवत पूजन कर भव्यता के साथ मां गंगा की भव्य आरती

**साहिबगंज :** आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा तिथि के पुनीत अवसर पर साहिबगंज, झारखंड के स्थानीय मुक्तेश्वर धाम, सीढ़ी घाट, गंगा तट पर प्रत्येक माह पूर्णिमा तिथि के तहत इस माह भी आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष गुरू पूर्णिमा तिथि के शुभ अवसर पर मां गंगा सेवा समिति साहिबगंज झारखंड की ओर से पंडित श्री धनेश तिवारी जी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और मां गंगा का विधिवत पूजन कर भव्यता के साथ मां गंगा की भव्य आरती की गई। पूरा गंगा तट हर हर गंगे, जय मां गंगे हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। गंगा पूजन व आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।इस शुभ अवसर पर मां गंगा सेवा समिति, साहिबगंज, झारखंड के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय, शशि कुमार सुमन, अरुण विश्वकर्मा, प्रवीण कुमार, राजनाथ साह, संदीप अवस्थी, सिद्धार्थ कुमार, रोहित कुमार, सुदर्शन कुमार, सचिन कुमार आदि भक्तजन उपस्थित थे।

# लावालौंगः स्कूल जाने के लिए जान हथेली पर

### पोटम गांव के बच्चों की मजबूरी, न सड़क न पुल

**चतरा :** जिले के लावालौंग प्रखंड अंतर्गत हेडूम पंचायत का पोटम गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। यहां के ग्रामीणों और स्कूली बच्चों की जिंदगी हर बरसात में खतरे के साए में गुजरती है। गांव तक पहुंचने के लिए न पक्की सड़क है और न ही बरसाती नाले पर पुल का निर्माण कराया गया है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय पोटम में पढ़ने वाले बच्चे रोजाना उफनते

नाले को पार कर स्कूल जाने को मजबूर हैं। सामने आई तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि मासूम बच्चे पानी से भरे नाले के किनारे खड़े होकर जान जोखिम में डालकर उसे पार कर रहे हैं। बरसात के मौसम में यह रास्ता और भी खतरनाक हो जाता है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से सड़क और पुल निर्माण की मांग जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन के समक्ष उठाई जाती रही है, लेकिन आज तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। विकास के दावों के बीच पोटम गांव की यह तस्वीर सरकारी योजनाओं और जनप्रतिनिधियों की संवेदनहीनता पर सवाल खड़े करती है। स्थानीय लोगों ने सरकार, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से अविलंब सड़क एवं पुल निर्माण कराने की मांग की है, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और ग्रामीणों को आवागमन की परेशानी से निजात मिल सके।

### खूंटी में फोरलेन एनएच-20 और बाईपास निर्माण जल्द शुरू कराने की मांग

# भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद कुमार व वार्ड पार्षद अनूप साहू ने नितिन गडकरी को सौंपा ज्ञापन

**संवाददाता**

**खूंटी :** रांची-खूंटी फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्ग-20 (पुराना एनएच-75ई) के तुपुदाना से कुंदीबरटोली तक प्रस्तावित चार लेन सड़क तथा खूंटी बाईपास का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग को लेकर भाजपा खूंटी जिला अध्यक्ष आनंद कुमार एवं वार्ड पार्षद अनूप साहू ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया है कि भारत सरकार द्वारा 22 अगस्त 2024 को तुपुदाना से कुंदीबरटोली तक प्रस्तावित चार लेन एनएच-20 तथा खूंटी बाईपास के लिए भूमि अधिग्रहण संबंधी गजट प्रकाशित किया जा चुका है। इसके बावजूद परियोजना का निर्माण कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हो सका है। ज्ञापन में परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं में तेजी लाने का आग्रह किया गया है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि रांची से खूंटी तक 31.31 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क, जिसमें खूंटी बाईपास भी शामिल है, को 15 मार्च 2024 को 1907.31 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई थी। इस परियोजना के लिए 13 मार्च 2024 को निविदा प्रक्रिया भी आमंत्रित की गई थी। परियोजना के तहत लगभग 156.6 हेक्टेयर निजी भूमि तथा 15 हेक्टेयर वन भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है।
साथ ही बताया गया कि इसी परियोजना के अंतर्गत खूंटी बाईपास का शिलान्यास 10 मार्च 2024 को खूंटी में आयोजित कार्यक्रम में किया गया था। उस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन

गडकरी ने लगभग 2500 करोड़ रुपये की लागत वाली दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया था। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं खूंटी के पूर्व सांसद अर्जुन मुंडा भी राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह कर चुके हैं, ताकि खूंटी क्षेत्र की वर्षों पुरानी बहुप्रतीक्षित फोरलेन एवं बाईपास परियोजना का निर्माण शीघ्र शुरू हो सके। भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद कुमार एवं वार्ड पार्षद अनूप साहू ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया है कि संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देकर भूमि अधिग्रहण एवं अन्य प्रक्रियाओं को जल्द पूरा कराया जाए, जिससे रांची-खूंटी मार्ग पर यातायात सुगम हो, दुर्घटनाओं में कमी आए तथा क्षेत्र के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास को नई गति मिल सके।